My Notes…..

राष्ट्रीय

मानव पूंजी सूचकांक में भारत

विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि **बच्चों के जीवित रहने की संभावना, स्वास्थ्य और शिक्षा** जैसे पैमाने में **भारत कुल 157 देशों की सूची में 115वें स्थान पर है।** रिपोर्ट में **भारत को नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों से भी नीचे रखा गया है।** विश्वबैंक की इस रिपोर्ट को भारत ने खारिज कर दिया है। भारत की ओर से कहा गया है कि **इस रिपोर्ट में मानव पूंजी के लिए विकास के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं उन्हें शामिल नहीं किया गया है।** अहम प्रयासों को नहीं किया गया शामिल वित्त मंत्रालय की ओर से विश्वबैंक की रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा गया है कि भारत सरकार ने मानव सूची सूचकांक की रिपोर्ट को खारिज करने का फैसला लिया है क्योंकि इसमे मानव पूंजी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अहम प्रयासों को नजरअंदाज किया गया है।

क्या है

1. **मानव पूंजी सूचकांक को 157 देशों के आंकड़ों के आधार पर जारी किया गया है,** जिसमे इस बात को अहम लक्ष्य रखा गया था कि **जो बच्चा जन्म लेता है वह 18 वर्ष की आयु तक कम से कम प्राप्त करे।**
2. इस देश को मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि इस रिपोर्ट में तमाम योजनाएं जिसमे **समग्र शिक्षा अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना** को शामिल नहीं किया गया है, **लिहाजा सरकार विश्वबैंक की इस रिपोर्ट को खारिज करती है** और वह मानव पूंजी सूचकांक को लेकर अपना सतत प्रयास आगे भी जारी रखेगी, जिससे कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके।
3. **विश्वबैंक की इस सूची में सिंगापुर के बाद दक्षिण कोरिया, जापान, हॉगकॉग और फिनलैंड का स्थान है।**
4. नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने जुलाई माह में कहा था कि **भारत में मानव विकास इंडेक्स में सुधार किए बगैर 10 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि की दर को हासिल नहीं किया जा सकता है।**
5. देश में विकास तभी रफ्तार पकड़ सकता है जब देश में जच्चा-बच्चा मृत्यु दर उंची हो। उन्होंने कहा था कि अगर 10 फीसदी की रफ्तार से विकास करना है तो एचडीआई में सुधार लाना जरूरी है।

रिपोर्ट में भारत

1. **मानव पूंजी सूचकांक - भारत में जन्मा एक बच्चा उत्पादक के रूप में केवल 44 प्रतिशत होगा** जब वह बड़ी होती है यदि वह पूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य प्राप्त करती है।
2. **महिलाओं के लिए भारत में** HCI **पुरुषों के मुकाबले मामूली रूप से बेहतर है.**
3. इसके अलावा, पिछले पांच वर्षों में भारत में HCI घटकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
4. **5 वर्ष की आयु में जीवन रक्षा की संभावना** - भारत में पैदा हुए 100 बच्चों में से 96 , 5 वर्ष की आयु तक जीवित रहते है।
5. **विद्यालय के अपेक्षित वर्ष** - भारत में, एक बच्चा जो 4 वर्ष की आयु में स्कूल जाना शुरू करता है वह अपने 18 वें जन्मदिन तक स्कूल में 10.2 वर्ष पूरा करता है।
6. **हार्मोनिज्ड टेस्ट स्कोर** - भारत में छात्र 355 अंक

रिपोर्ट को 5 श्रेणी में बांटा गया है

1. भारत को बांग्लादेश, ब्राजील, अल्जीरिया, मिस्र, इंडोनेशिया और नामीबिया जैसे देशों के साथ नीचे से दूसरी श्रेणी में रखा गया है।
2. अमेरिका, कनाडा, रूस, ऑस्ट्रेलिया और ज्यादातर यूरोपीय देश सबसे ऊपर की कैटेगरी में हैं।
3. सबसे निचली रैंकिंग में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अफ्रीकी देश हैं।
4. वहीं चीन, श्रीलंका, अर्जेंटीना, मेक्सिको, कोलंबिया सऊदी, ईरान, तुर्की आदि बीच की श्रेणी में हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

प्राप्त करते हैं जहां 625 उन्नत प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करता है और 300 न्यूनतम प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

7. **स्कूल के सीखने-समायोजित वर्ष** - वास्तव में बच्चों को सीखने में फैक्टरिंग, स्कूल के अनुमानित वर्ष केवल 5.8 वर्ष हैं।
8. वयस्क जीवन रक्षा दर:पूरे भारत में, 15 वर्ष की आयु के 83 प्रतिशत बच्चे 60 वर्ष की आयु तक जीवित रहते है।
9. **स्वस्थ विकास (अविकसित दर नहीं)** - 100 बच्चों में से 62 अविकसित नहीं होते हैं. 100 में से 38 बच्चे अविकसित गए हैं, और इसलिए ज्ञान सम्बन्धी और शारीरिक सीमाओं के जोखिम पर जीवनभर तक चले जा सकते हैं।
10. **लिंग भेद - भारत में, लड़कियों के लिए HCI लड़कों के मुकाबले मामूली रूप से अधिक है।**

आईपीसीसी की ये ताजा रिपोर्ट

8 अक्टूबर 2018 को जारी रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि **यदि वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन में 50 फीसद तक कमी नहीं की गई तो फिर दुनिया में रहने लायक नहीं होगी।** एक अनुमान के मुताबिक **सदी के आखिर तक तापमान वृद्धि दो डिग्री या इससे ज्यादा हो सकती है।** यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक है। खास बात यह है कि **तापमान वृद्धि का सर्वाधिक असर गंगा घाटी क्षेत्र में पड़ सकता है।** यदि औसत तापमान में दो डिग्री बढ़ोतरी होती है तो यूपी, बिहार जैसे गंगा घाटी वाले राज्यों में बारिश में 20 फीसद तक गिरावट आ सकती है। **बारिश में 20 फीसद की कमी का मतलब क्षेत्र में सूखे की स्थिति होगी।**

क्या है

1. रिपोर्ट में कहा गया है कि **भारत और अन्य दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों में कृषि उत्पादन इसका असर होगा।** इससे **गेहूं और धान के उत्पादन में छह और तीन फीसद तक** की कमी हो सकती है।
2. इसी तरह से मक्काग और सोयाबीन में साढ़े सात फीसद और करीब तीन फीसद तक उत्पादन घट सकता है। इससे आंशका जाहिर की जा रही है कि यहां खाद्यान संकट उत्पन्न हो सकता है।
3. **महज दो डिग्री तापमान बढ़ने पर दुनिया के ग्लेशियरों में जमी एक तिहाई बर्फ पिघलकर खत्म हो जाएगी।** इसके चलते ग्लेशियर से निकलने वाली नदियों का जलतंत्र प्रभावित होगा। **नदियों का जलस्तर बढ़ेगा।**
4. ग्लेतशियर खत्मन होने से इन नदियों के जल स्त्रोत खत्म हो जाएगा। इसका सर्वाधिक असर भारत समेत दक्षिण एशिया के मुल्कों के नदियों पर पड़ेगा। भारत और पड़ोसी देशों में करीब 80 करोड़ लोगों के लिए ये नदियां जीवन रेखा है। इनका जीवन इन नदियों पर निर्भर हैं।
5. **तापमान वृद्धि से गर्म हवाओं का प्रकोप बढ़ेगा।** देश के कई महानगरों में तापमान में वृद्धि के साथ गर्म हवाएं चलेंगी। यदि तापमान 45 डिग्री पार कर गया था और फरि यहां चलने वाली लू जानलेवा होगी।
6. इस मामले में भारत संवेदनशील देशों में शामिल है, जहां जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसमी घटनाएं सर्वाधिक होती हैं। **भारत जैसे क्षेत्र अत्यंत गर्म हवा की चपेट में आ सकते हैं। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।**
7. तटीय इलाके पहले ही समुद्री जलस्तर के बढ़ने की वजह से संघर्ष कर रहे हैं, अगर तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस के नीचे नहीं रखा गया तो और ज्यादा मुसीबत बढ़ेगी।
8. **यदि तापमान वृद्धि दो डिग्री होती है तो इससे गंगा घाटी वाले राज्यों में बुरी तरह से प्रभावित होंगे।** बारिश में 20 फीसद तक की कमी आएगी। गंगा घाटी क्षेत्र देश के भीतर 10 लाख वर्ग किलोमीटर से भी ज्यादा में फैला हुआ है। कृषि के लिहाज से यह देश का सबसे उपजाऊ भू-भाग है।
9. देश में सबसे उपजाऊ माना जाने वाला गंगा घाटी क्षेत्र पहले ही कम बारिश और बाढ़ की समस्या से जूझ रहा है। इसके कुछ इलाकों को छोड़कर ज्यादातर हिस्से खेती के लिए बारिश पर निर्भर हैं। ऐसे में यह रिपोर्ट और भी चिंताएं पैदा करती है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

0.5. डिग्री की बढ़ोतरी का असर

1. **छोटे द्वीपीय देशों के डूबने का खतरा बढ़ जाएगा।** दुनियाभर में जबरदस्त गर्मी होगी, जबकि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में असामान्य गर्म दिनों में सर्वाधिक वृद्धि होगी।
2. **भूमध्य क्षेत्र में खास तौर पर सूखे की समस्या बढ़ जाएगी।** ध्रूवीय भालू, व्हेल, सील, समुद्री पक्षियों के आवास पर बुरा असर पड़ेगा।
3. पर्यावरण व जीवजगत में भारी उथल-पुथल मचा सकती है। इससे मूंगा चट्टानें और आर्कटिक का ग्रीष्मकालीन समुद्री बर्फ समाप्त हो सकते हैं। दुनियाभर में लाखों लोग लू, पानी की कमी, तटीय बाढ़ के खतरे की जद में आ सकते हैं।
4. इससे दुनियाभर में बाढ़ और बीमारियों से तबाही बढ़ने का अंदेशा होगा।

1.5 डिग्री तापमान बढ़ोतरी का असर

1. **दुनिया में 3.1 करोड़ से 6.9 करोड़ लोग प्रभावित होंगे।** लगभग **14 फीसद विश्व जनसंख्या** प्रभावित होगी।
2. 1.5 डिग्री तापमान पर दुनियाभर में 35 करोड़ों लोगों के समक्ष पेयजल का संकट उत्पन्न होगा।
3. छह फीसद कीड़े, आठ फीसद वनस्पतियां और चार फीसद कशेरुकी जंतु समाप्त हो जाएंगे यानी विलुप्त हो जाएंगे।

2.0 डिग्री तापमान होने पर

1. **उप-सहारा अफ्रीका, दक्षिणपूर्व एशिया और केंद्रीय व दक्षिण अमेरिका** में फसलों के उत्पादन में बड़ी कमी आ सकती है।
2. मूंगा चट्टान ज्यादातर खत्म हो जाएंगे। 41.1 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे। यानी विश्व की करीब 37 फीसद आबादी प्रभावित होगी।
3. **गर्मियों में समुद्री बर्फ के खत्म हो जाने की 10 गुना अधिक संभावना है।**
4. 18 फीसद कीड़े समाप्त हो जाएंगे। 16 फीसद वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। इसके अलावा आठ फीसद कोशिका जंतु समाप्त हो जाएंगे।

भारत की कौशल ईको-प्रणाली को बढ़ावा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने कौशल विकास के मद्देनजर मौजूदा नियामक संस्थानों **राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) और राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए) को मिलाकर राष्ट्रीय व्यावसायी शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। एनसीवीईटी दीर्घकालीन और अल्पकालीन दोनों तरह के व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के काम में लगे निकायों के कामकाज को नियमित करेगा** तथा इन निकायों के कामकाज के लिए न्यूनतम मानक तैयार करेगा।

क्या है

1. **परिषद का नेतृत्व एक अध्यक्ष के हाथ में होगा** तथा उसमें कार्यकारी और गैर-कार्यकारी सदस्य होंगे।
2. चूंकि **एनसीवीईटी को दो मौजूदा निकायों को आपस में मिलाकर स्थापित करने का प्रस्ताव है,** इसलिए मौजूदा अवरचना तथा संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।
3. इसके अलावा आसान कामकाज के लिए अन्य पद भी बनाए जाएंगे। **नियामक निकाय, नियमन प्रक्रियाओं के उत्कृष्ट व्यवहारों का पालन करेगा,** जिससे उसका कामकाज और संचालन प्रोफेशनल तरीके से तथा मौजूदा कानूनों के तहत सुनिश्चित किया जा सकेगा।

एनसीवीईटी के प्रमुख कामकाज

1. निर्णायक निकायों, मूल्यांकन निकायों और **कौशल संबंधी सूचना प्रदाताओं की मान्यता तथा नियमन**
2. निर्णायक निकायों और क्षेत्र **कौशल परिषदों (एसएससी) द्वारा विकसित पात्रताओं की मंजूरी**
3. निर्णायक निकायों और मूल्यांकन एजेंसियों के जरिए व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों का अप्रत्यक्ष नियमन
4. **अनुसंधान एवं सूचना प्रसार**
5. **शिकायत निवारण**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

लाभ

1. **इस संस्थागत सुधार से गुणवत्ता दुरुस्त होगी,** कौशल विकास कार्यक्रमों की बाजार प्रासंगिकता बढ़ेगी, जिसके मद्देनजर व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की साख में इजाफा होगा।
2. इसके अलावा **कौशल क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा** और कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ेगी। यह संभव हो जाने से व्यावसायिक शिक्षा के मूल्यों और **कुशल श्रमशक्ति को बढ़ाने संबंधी दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।** इसके कारण भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने के विषय में प्रधानमंत्री के एजेंडा को बल मिलेगा।
3. एनसीवीईटी भारत की कौशल ईको-प्रणाली की एक नियामक संस्था है, जिसका देश में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में संलग्न सभी व्यक्तियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
4. **कौशल आधारित शिक्षा के विचार को आकांक्षी आचरण के रूप में देखा जाएगा,** जिससे छात्रों को कौशल आधारित शैक्षिक पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का प्रोत्साहन मिलेगा।
5. आशा की जाती है कि इस उपाय से उद्योग और सेवा क्षेत्र में कुशल श्रमशक्ति की स्थिर आपूर्ति के जरिए व्यापार सुगमता की सुविधा हो जाएगी।

पृष्ठभूमि

1. भारत की जनसांख्यिकीय विशेषता के उपयोग संबंधी प्रयासों को ध्यान में रखते हुए उसकी श्रमशक्ति के लिए आवश्यक हो गया है कि उसे रोजगार प्राप्त करने के योग्य कौशलों एवं ज्ञान से लैस किया जाए, ताकि वह ठोस तरीके से आर्थिक विकास में योगदान कर सके।
2. अतीत में देश की कौशल प्रशिक्षण आवश्यकताओं को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के जरिए पूरा किया जाता था। इसके अलावा इस आवश्यकता को एनसीवीटी द्वारा नियमित प्रमापीय नियोजन योजना (एमईएस) के जरिए पूरा किया जाता था, क्योंकि यह व्यवस्था देश की बढ़ती कौशल जरूरतों को पूरा करने में पर्याप्त नहीं थी और श्रमशक्ति की कौशल आवश्यकताएं भी बढ़ रही थीं, इसलिए सरकार ने कौशल प्रयासों को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए थे।
3. इन प्रयासों के नतीजे में प्रशिक्षण अवरचना का बहुत विकास हुआ, जिनमें से अधिकतर निजी क्षेत्र में थीं। इस समय कौशल विकास कार्यक्रमों को लागू करने के लिए 20 मंत्रालय/विभाग मौजूद हैं, जिनमें से अधिकतर निजी क्षेत्र प्रशिक्षण प्रदाताओं की सहायता से चल रहे हैं।
4. बहरहाल, समुचित नियामक दृष्टि के अभाव में बहुत सारे हितधारक विभिन्न मानकों वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश करते रहे हैं। इन हितधारकों की मूल्यांकन और प्रमाणीकरण प्रणालियां भिन्न-भिन्न हैं, जिसका व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर गंभीर असर पड़ता है।
5. इस तरह देश के युवाओं की रोजगार योग्यता पर भी असर पड़ता है। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए) की स्थापना के जरिए नियमन उपाय की कोशिश की गई थी, ताकि सरकार और निजी क्षेत्र के कौशल विकास प्रयासों में समन्वय बनाया जा सके। एनएसडीए की प्रमुख भूमिका राष्ट्रीय कौशल पात्रता संरचना को संचालित करने की थी, ताकि क्षेत्रवार आवश्यकताओं के लिए गुणवत्ता तथा मानकों को सुनिश्चित किया जा सके।
6. बहरहाल, एक समेकित नियामक प्राधिकार की आवश्यकता महसूस की गई जो अल्पकालीन और दीर्घकालीन कौशल आधारित प्रशिक्षण के सभी पक्षों को पूरा कर सके।
7. एनसीवीईटी को एक ऐसे संस्थान के रूप में प्रस्तुत किया गया जो वे सभी नियामक कार्य करेगा, जिन्हें एनसीवीटी तथा एनएसडीए करते रहे हैं। इस समय क्षेत्र कौशल परिषदों के जरिए नियामक कामकाज राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा किया जा रहा है। यह भी एनसीवीईटी में निहित होगा।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

'उद्यम अभिलाषा की शुरूआत

महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर 2018) के अवसर पर **भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने 115 आकांक्षी जिलों में राष्ट्र स्तरीय उद्यमिता जागरूकता अभियान 'उद्यम अभिलाषा' की शुरूआत की।** उल्लेखनीय है कि **नीति आयोग ने 28 राज्यों में इन 115 आकांक्षी जिलों की पहचान की** और अभियान लगभग 15000 युवाओं तक पहुंचा है।

क्या है

1. **सिडबी इन जिलों के लिए 'परावर्तन अभियान' में योगदान देगा।** यह **अभियान देश भर में 3 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2018 तक चलाया जाएगा।**
2. अभियान के तहत 800 से अधिक प्रशिक्षु तैयार किए जाएंगे, जो इन जिलों के आकांक्षी युवाओं को उद्यम प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।
3. **सिडबी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के ई-शासन सेवा भारत लिमिटेड के साथ साझेदारी की है,** ताकि उसके मंच द्वारा अभियान को लागू किया जा सके।
4. **इस अभियान के तहत आकांक्षी जिलों के ग्रामीण युवाओं को प्रेरित किया जाएगा** और उन्हेंस उद्यम स्थासपित करने के लिए सहायता दी जाएगी।

अल्फांसो आम अब बन गया और भी खास

महाराष्ट्र के पांच जिलों-रत्नागिरी, सिंधूगढ़, पालघर, ठाणे और रायगढ़ के अल्फांसो आम को भौगोलिक संकेतक (जीआई) का तमगा मिल गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 5 अक्टूबर 2018 को यह जानकारी दी। **जीआई का तमगा उन उत्पादों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में होते हैं।** उन उत्पादों में उस क्षेत्र की गुणवत्ता या अन्य पहचान जुड़ी होती है।

क्या है

1. **इस तरह का नाम उत्पादों की गुणवत्ता तथा विविधता का भरोसा दिलाते हैं।** आमों के राजा **अल्फांसो को महाराष्ट्र में 'हापुस' कहा जाता है।** इसकी अपने स्वाद के कारण न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी काफी मांग है।
2. इससे पहले **दार्जिलिंग की चाय, महाबलेश्वर की स्ट्राबेरी, जयपुर के नीली नक्काशी वाले मिट्टी के बर्तन,** बनारसी साड़ी और तिरुपति के लड्डू जैसे 300 से ज्यादा उत्पाद हैं जिन्हें जीआई का तमगा मिल चुका है।
3. मंत्रालय ने कहा कि जीआई उत्पाद दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाते हैं। इससे किसानों, बुनकरों, दस्तकारों तथा शिल्पियों की आमदनी में सुधार होता है।

अब उड़ान में शामिल होंगे अंतरराष्ट्रीय शहर

सरकार अपनी महत्वाकांक्षी उड़ान योजना के तहत **अब चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए भी विमान सेवा लांच करने की योजना बना रही है। योजना के अंतरराष्ट्रीय संस्करण इंटरनेशनल एयर कनेक्टिविटी स्कीम (आइएसीएस) उड़ान** के तहत केंद्र और असम सरकार ने इच्छुक विमानन कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

क्या है

1. **उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना** के क्रियान्वयन का जिम्मा संभाल रही **एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आइएसीएस उड़ान के लिए अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों से ऑनलाइन निविदा मांगी है।**
2. इसके लिए विमानन कंपनियों को नवंबर तक की मोहलत दी गई है। सरकार ने इस वर्ष अगस्त में उड़ान के अंतरराष्ट्रीय संस्करण का मसौदा जारी किया था।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

3. **सरकार की यह पहल ऐसे वक्त में सामने आई है, जब घरेलू स्तर पर उड़ान योजना की हालत बहुत अच्छी नहीं है।** सरकार ने उड़ान के तहत पहले चरण में जितने रूट पर परिचालन को अनुमति दी थी, उनमें से आधे रूट पर अभी तक विमान सेवा शुरू नहीं हो पाई है।

क्या है योजना

1. देश के आम नागरिकों को किफायती विमानन सेवा मुहैया कराने और छोटे शहरों में **एयर कनेक्टिविटी सुविधा देने की नीयत से सरकार ने अक्टूबर, 2016 में उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना की शुरुआत की थी।**
2. इसके तहत एक घंटे तक की हवाई यात्र के लिए अधिकतम 2,500 रुपये किराया निर्धारित कर दिया गया था। पिछले वर्ष मार्च में पहले चरण की निविदा के तहत **पांच विमानन कंपनियों को उड़ान योजना के तहत 128 घरेलू रूट तक विमानन सेवा देने के लिए अधिकृत किया गया।**

अपने तरह का पहला इंटर्नशिप कार्यक्रम

नीति आयोग और आईबीएम ने 11 अक्टूबर 2018 को अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के तहत चुने गए छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम की घोषणा की। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत **38 छात्रों को दो सप्ताह का देय इंटर्नशिप मिलेगा,** और अटल विचार लैब (एटीएल) के 14 शिक्षकों को भी विभिन्न राज्यों जैसे **असम, हिमाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार और अन्य राज्यों से चुना गया है,** वे सब एक जगह एकत्रित हो अपने विचारों, सहयोग और नये-नये आयामों पर चर्चा करेंगे। इन छात्रों को **कृत्रिम बौद्धिकता, इंटरनेट के बारे में, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग** और **ब्लॉकचेन** जैसे क्षेत्रों में नए करियर के लिए कौशल सिखाया जाएगा। उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित करने के अलावा, **छात्रों को संकट के समय कार्यस्थल पर कौशल के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाएगा।**

क्या है

1. **इस कार्यक्रम के तहत, एटीएल के चयनित शिक्षकों को भी आईबीएम स्वयंसेवकों और सलाहकारों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा** ताकि वे नवाचार कोच बन सकें।
2. दो सप्ताह का कार्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है ताकि छात्र कॉर्पोरेट वातावरण का अनुभव कर सकें और साथ ही उन्हें नई प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने का भी मौका मिले।
3. इस कार्यक्रम को और मजबूती देने के उद्देश्य से, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को उनके तकनीकी कौशल को मजबूत करने और भविष्य की नौकरी के लिए तैयार किया जाएगा।
4. **अटल इनोवेशन मिशन ने 2017 में अटल टिंकरिंग मैराथन का आयोजन किया** जहां पांच क्षेत्रों- **एग्रीटेक, स्वास्थ्य, स्मार्ट मोबिलिटी, स्वच्छ ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन** - के शीर्ष 30 नवाचारों की पहचान की गई।
5. शीर्ष 30 टीमों के छात्रों को विभिन्न अवसरों जैसे **छात्र नवप्रवर्तन (इनोवेटर) कार्यक्रम, भागीदार उद्योग जगत के साथ एटीएल बूटकैम्प, विश्व रोबोट ओलंपियाड (डब्लूआरओ)** जैसे वैश्विक नवाचार प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर, और आईबीएम इंडिया के बेंगलूरू परिसर में इंटर्नशिप की पेशकश की गई है।
6. आईबीएम इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों के कौशल को विभिन्न नये गतिविधियों जैसे डिजाइन के लिए नए दृष्टिकोण, प्रोटोटाइप विकसित करने और समुदाय के मुद्दों के समाधान तथा उन्हें हल करने के लिए बढ़ाने पर केंद्रित है।

अब RTI के अधीन होगा बीसीसीआई

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने आदेश दिया कि **भारतीय क्रिकेट बोर्ड अब सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अंतर्गत काम करेगा** और **इसकी धाराओं के अंतर्गत देश के लोगों के प्रति जवाबदेह होगा।** आरटीआई मामलों में शीर्ष अपीली संस्था **'सीआईसी' ने इस निष्कर्ष को निकालने के लिए कानून, उच्चतम न्यायालय के आदेश, भारत के विधि आयोग की रिपोर्ट** तथा युवा एवं खेल मामलों के मंत्रालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी की प्रस्तुतियों

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

को देखा कि बीसीसीआई की स्थिति, प्रकृति और काम करने की विशेषताएं **आरटीआई प्रावधान की धारा दो (एच)** की जरूरी शर्तों को पूरा करती है।

क्या है

1. सूचना आयुक्त श्रीधर आचार्युलू ने 37 पन्ने के आदेश में कहा, **उच्चतम न्यायालय ने भी फिर से पुष्टि कर दी कि बीसीसीआई देश में क्रिकेट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने के लिए स्वीकृत राष्ट्रीय स्तर की संस्था है,** जिसके पास इसका लगभग एकाधिपत्य है।
2. आचार्य ने कानून के अंतर्गत जरूरी केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी, केंद्रीय सहायक सार्वजनकि सूचना अधिकारी और प्रथम अपीली अधिकारियों के तौर पर योग्य अधिकारी नियुक्त करने के लिए अध्यक्ष, सचिव और प्रशासकों की समिति को निर्देश दिया।
3. उन्होंने आरटीआई प्रावधान के अंतर्गत सूचना के आवेदन प्राप्त करने के लिए बीसीसीआई को 15 दिन के अंदर ऑनलाइन और ऑफलाइन तंत्र तैयार करने के निर्देश दिए।
4. यह मामला उनके समक्ष तब प्रस्तुत हुआ **जब खेल मंत्रालय ने आरटीआई आवेदक गीता रानी को संतोषजनक जवाब नहीं दिया।** जिन्होंने उन प्रावधानों और दिशानिर्देशों को जानने की मांग की थी जिसके अंतर्गत बीसीसीआई भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है और देश के लिए खिलाड़ियों का चयन कर रहा है।
5. उन्होंने कहा, बीसीसीआई को आरटीआई प्रावधान के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में सूचीबद्ध करना चाहिए। आरटीआई अधिनियम बीसीसीआई और उसके सभी संवैधानिक सदस्य क्रिकेट संघों पर लागू करना चाहिए।

जेआईएमईएक्स18 विशाखापत्तनम में होगा

जापान का सामुद्रिक स्व-रक्षाबल (जेएमएसडीएफ) जहाज कागा, एक इज्यूमो क्लास हेलीकॉप्टर डिस्ट्रॉयर तथा इनाजुमा एक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर 07 अक्तूबर, 2018 को विशाखापत्तनम पहुंचे। रियर एडमिरल तत्सुया फुकादा, कमांडर, एस्कॉर्ट फ्लोटिला ख्र 4 (सीसीएफ-4) 07 से 15 अक्तूबर, 2018 तक भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के जहाजों के साथ **जापान-भारत सामुद्रिक अभ्यास (जेआईएमईएक्स) के तीसरे संस्करण में भाग लेंगे।**

क्या है

1. (जेआईएमईएक्स18) का लक्ष्य **अंतः सक्रियता बढ़ाना, आपसी समझ को बेहतर करना** तथा एक-दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रचलनों को अपनाना है।
2. भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व स्वदेशी रूप से डिजाइन तथा निर्मित जंगी जहाजों एवं एक फ्लीट टैंकर द्वारा किया जाएगा।
3. जो जहाज इसमें भाग ले रहे हैं, उनमें **आईएनएस सतपुरा, मल्टीपर्पस स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस केडमेट, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर कॉरवेट, मिसाइल कॉरवेट एवं आईएनएस शक्ति,** फ्लीट टैंकर शामिल है।
4. **(जेआईएमईएक्स18) आठ दिनों तक चलेगा** जिसमें चार-चार दिनों के हार्बर एवं समुद्री चरण शामिल होंगे। **जेआईएमईएक्स का पिछला संस्करण चेन्नई में दिसंबर, 2013 में आयोजित किया गया था।**

अन्तरर्राष्ट्रीय

भारत यूएन मानवाधिकार परिषद का सदस्य बना

भारत को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मानवाधिकार परिषद का तीन साल के लिए सदस्य चुन लिया गया है। भारत के कार्यकाल की शुरुआत 1 जनवरी 2019 से शुरू होगी। भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र श्रेणी में था। 18 नए सदस्यों में भारत को सबसे ज्यादा 188 वोट मिले। **संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा में मानवाधिकार परिषद के नए सदस्यों को चुना गया।**

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

1. **18 नए सदस्यों को गुप्त मतदान द्वारा पूर्ण बहुमत के आधार पर चुना गया।** परिषद में चुने जाने के लिए किसी भी देश को कम से कम 97 वोटों की जरूरत होती है।
2. **भारत एशिया प्रशांत श्रेणी में सीट के लिए इच्छुक था।** एशिया-प्रशांत क्षेत्र से मानवाधिकार परिषद में कुल पांच सीटें हैं जिनके लिए **भारत के अलावा बहरीन, बांग्लादेश, फिजी और फिलीपीन** ने अपना नामांकन भरा था।
3. चुनाव से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने ट्वीट किया, बहरीन, बांग्लादेश, फिजी, भारत और फिलीपीन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की पांच सीटों के लिए दावा पेश किया।
4. **भारत पहले भी 2007, 2014 और 2017 में मानवाधिकार परिषद का सदस्य रह चुका है।** भारत का अंतिम कार्यकाल 31 दिसंबर, 2017 में समाप्त हुआ। **नियमानुसार भारत तत्काल मानवाधिकार परिषद का सदस्य चुने जाने के लिए पात्र नहीं है क्योंकि वह दो बार सदस्य रह चुका है।**

ग्लोबल पासपोर्ट रैंकिंग

ताकतवार पासपोर्ट का मतलब है कि आप कितने अधिक देशों की यात्रा बिना वीजा के कर सकते हैं। इस सुविधा को **वीजा ऑन अराइवल** कहते हैं। इस सुविधा के तहत आपको संबंधित देश के लिए उड़ान भरते समय अलग से वीजा लेकर चलने की जरूरत नहीं होती, बल्कि पहुंचने पर संबंधित देश वीजा मुहैया कराता है। हाल ही में **अमेरिकी फर्म हेन्ले की ओर से जारी ग्लोबल पासपोर्ट रैंकिंग में जापान के पासपोर्ट को दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट बताया गया है।** जबकि **भारत का पासपोर्ट 81वें नंबर पर है।**

क्या है

1. **इस रैंकिंग के आने के बाद सिंगापुर को पछाड़ते हुए जापान का पासपोर्ट दुनिया का सबसे पावरफुल पासपोर्ट बन गया है।** जापान दुनिया में सबसे अधिक देशों में बिना वीजा के प्रवेश दिलाता है।
2. **जापानी पासपोर्ट दुनिया के 190 देशों में वीजा-फ्री एंट्री दिलाने में मान्य हो गया है। बीते साल सिंगापुर इस लिस्ट में शीर्ष पर था।** सिंगापुर के पासपोर्ट पर बिना पूर्व वीजा के 189 देशों की यात्रा कर सकते हैं।
3. **जर्मनी दूसरे स्थान से नीचे आकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।** तीसरे स्थान पर जर्मनी के साथ दक्षिण कोरिया और फ्रांस भी हैं। तीसरे स्थान पर काबिज देशों के पासपोर्ट से 188 देशों की वीजा-फ्री यात्रा की जा सकती है।
4. **भारत को 81वीं रैंक पर रखा गया है। भारत के नागरिक 60 देशों में वीजा फ्री एक्सेस कर सकते हैं।** पिछले वर्ष भारत की रैंकिंग 86वें स्थान पर थी। ऐसे में इस वर्ष देश की रैंकिंग में सुधार आया है।
5. वहीं अगर पाकिस्तान की बात की जाए वह 104वें स्थान पर है. पाकिस्तानी पासपोर्ट होल्डर 33 देशों की यात्रा कर सकता है.

रिंग ऑफ फायर के कारण इंडोनेशिया में भूकंप

इंडोनेशिया में भूकंप और सुनामी के कारण हर तरफ तबाही का मंजर नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार अभी तक मृतकों की संख्या 832 पहुंच चुकी है और आने वाले वक्त में इसके बढ़ने की भी उम्मीद है। सुनामी और भूकंप के कारण पहली बार इंडोनेशिया में जनजीवन बेहाल नहीं हुआ है। **2004 में भी सुनामी की त्रासदी को इंडोनेशिया झेल चुका है। इंडोनेशियाई क्षेत्र को विश्व में रिंग ऑफ फायर** के नाम से जाना जाता है और इसी कारण यहां भूकंप आते रहते हैं।

जानें क्या है रिंग ऑफ फायर

1. दुनिया में **पृथ्वी पर सक्रिय ज्वालामुखियों में सबसे अधिक इंडोनेशिया के आसपास के क्षेत्र में पड़ते हैं।** ज्वालामुखियों की इसी संख्या के कारण इस इस इलाके को **रिंग ऑफ फायर** कहा जाता है।
2. सक्रिय ज्वालामुखियों की संख्या भी इस इलाके में **दुनिया में मौजूद ज्वालामुखियों का 50 फीसदी है।** सक्रिय ज्वालामुखी इतनी अधिक होने के कारण यहां पृथ्वी पर आनेवाले **भूकंप में 75% यहीं आते हैं।** पिछले महीने भी इस क्षेत्र के लोम्बोक द्वीप पर आए **शक्तिशाली भूकंप में 400 से अधिक लोग मारे गए थे।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

3. साल 2004 में इंडोनेशिया में आए भूकंप की वजह से पैदा हुई सुनामी ने हिंद महासागर के तटों पर भारी तबाही मचाई थी। **भारत के तमिलनाडु और दूसरे तटीय इलाकों में सुनामी की तबाही की वजह** से जान-माल की भारी क्षति हुई थी।
4. 2004 की इस सुनामी त्रासदी में दो लाख से अधिक लोग मारे गए थे और इंडोनेशिया इसका सबसे बड़ा शिकार बना था। सवा लाख मौतें इंडोनेशिया क्षेत्र में ही सुनामी की वजह से हुई थीं।
5. **29 सितंबर को इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप और इसके आसपास के इलाके को भूकंप और सूनामी ने दहला दिया।** इंडोनेशिया की एक डिजास्टर एजेंसी के मुताबिक इस आपदा में अभी तक 832 लोग मारे गए हैं। भूकंप का केंद्र पालू शहर से 78 किमी दूर था।
6. **पैसेफिक रिंग ऑफ फायर ज्वालामुखियों की अधिकता के कारण भूतल के अंदर होनेवाली कई बड़ी गतिविधियों का केंद्र है।** लगभग 25 हजार मील में फैले इस प्रभाव क्षेत्र का आकार घोड़े की नाल जैसा है, जिसमें दक्षिणी अमेरिका के साथ वेस्ट कोस्ट नॉर्थ अमेरिका की तरफ से लेकर **निचले हिस्से में जापान और न्यू जीलैंड तक है और एशियाई हिस्से में इसके केंद्र में फिलीपींस और इंडोनेशिया इसके केंद्र में हैं** और इसलिए यही भूकंप के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है।

फ्लैशपॉइंट

1. इंडोनेशियाई क्षेत्र को विश्व में रिंग ऑफ फायर के नाम से जाना जाता है और इसी कारण यहां भूकंप आते रहते हैं
2. दुनिया में पृथ्वी की सतह पर सक्रिय ज्वालामुखियों में सबसे अधिक इंडोनेशिया के आसपास के क्षेत्र में पड़ते हैं
3. 2004 की इस सुनामी त्रासदी में दो लाख से अधिक लोग मारे गए थे और इंडोनेशिया इसका सबसे बड़ा शिकार बना था
4. पैसेफिक रिंग ऑफ फायर ज्वालामुखियों की अधिकता के कारण भूतल के अंदर होनेवाली कई बड़ी गतिविधियों का केंद्र है

दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध प्रतिमा में आई दरार

चीन के दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध प्रतिमा चार महीने की जांच-परख से गुजरेगी। प्रतिमा की मरम्मत के लिए चल रही कवायद के तहत मौके पर जाकर यह जांच-परख की जाएगी। **लेशान शहर के बाहरी हिस्से में बनाई गई 71 मीटर ऊंची प्रतिमा की छाती और पेट वाले हिस्से में दरार आ गई है** और कहीं-कहीं यह टूट भी गई है। **लेशान बुद्ध क्षेत्र की प्रबंधन समिति** ने यह जानकारी दी।

क्या है

1. चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने खबर दी है कि **आठ अक्टूबर से शुरू होने जा रही जांच-परख की प्रक्रिया के दौरान बुद्ध की प्रतिमा का प्रमुख हिस्सा आंशिक तौर पर या पूरी तरह ढक दिया जाएगा।**
2. न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक सांस्कृतिक स्मृति-चिह्नों के दर्जनों विशेषज्ञों की निगरानी में प्रतिमा की जांच की जाएगी।
3. इसमें **3डी लेजर स्कैनिंग, इंफ्रारेड थर्मल इमेजिंग जैसी तकनीक** का इस्तेमाल होगा और ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण भी किया जाएगा।
4. **बुद्ध की इस प्रतिमा के निर्माण में 90 साल से ज्यादा का वक्त लगा था।** इसे बनाने की शुरुआत **तांग वंश (618-907) के शासन के दौरान वर्ष 713 में हुई थी।**
5. यूनेस्को द्वारा विश्व सांस्कृतिक धरोहर घोषित की जा चुकी इस प्रतिमा की कई बार जांच और मरम्मत हो चुकी है।

भारत और रूस के बीच हुए 8 समझौते

अमेरिकी तरफ से प्रतिबंधन की चेतावनी के बावजूद **भारत और उसके पुराने मित्र रूस ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम करार पर दस्तखत कर दिया है।** इसके साथ ही, **रूस और भारत के बीच अंतरक्ष में सहयोग को लेकर पर समझौते** पर दस्तखत किए गए। इसके तहत, रू**स के साइबेरिया के नोवोसिबिर्स्क में भारत एक मॉनिटरिंग सेंटर**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीत दिल्ली के **हैदराबाद हाउस में 5 अक्टूबर 2018 को हुई द्विपक्षीय वार्ती के दौरान इस डील पर मुहर लगाई गई।** दोनों नेताओं के बीच **द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक मुद्दों**सहित अन्य ज्वलनशील मुद्दों पर चर्चा हुई।

क्या है

1. रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें उप प्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और व्यापार और उद्योग मंत्री डेनिस मंटूरोव शामिल हैं।
2. बैठक से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी और अंग्रेजी भाषाओं में ट्वीट किया, भारत में आपका स्वागत है राष्ट्रपति पुतिन। हमारी बातचीत को लेकर उत्सुक हूं, इससे भारत-रूस संबंध और प्रगाढ़ होंगे।
3. मोदी और पुतिन वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच एस-400 पर भी समझौता हुआ। इन समझौते से रक्षा, अंतरिक्ष, व्यापार, ऊर्जा और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।
4. **इससे पहले भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन 1 जून 2017 प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान हुआ था।** इस साल मई में मोदी रूस के तटीय शहर सोची गए थे। यहां पर उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ अनौपचारिक वार्ता के दौरान महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की थी।

समझौतों पर मुहर

1. दोनों देशों के बीच विदेश मंत्रालय स्तर पर 2019-2023 की अवधि के लिए परामर्श प्रोटोकॉल संबंधी समझौता हुआ।
2. नीति आयोग और रूस के आर्थिक विकास मामलों के मंत्रालय के बीच भी एमओयू हुआ।
3. इसरो और रूस की संघीय अंतरिक्ष एजेंसी में मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान पर समझौता।
4. भारत और रूस के रेलवे के बीच सहयोग ज्ञापन पर समझौता किया गया।
5. परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए कार्य योजना पर भी एक समझौता किया गया।
6. परिवहन मंत्रालय और भारतीय रेल के बीच परिवहन शिक्षा सहयोग के विकास पर एमओयू।
7. भारतीय राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम और रूस के लघु-मध्यम व्यापार निगम के बीच एमओयू किया गया।
8. उर्वरक क्षेत्र में सहयोग समझौता किया। इससे भारत और रूस की खाद्य सुरक्षा बेहतर होगी।

सऊदी अरब ने UN की रिपोर्ट बाधित करने की धमकी

दुनिया का प्रमुख तेल उत्पादक देश **सऊदी अरब जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की एक अहम रिपोर्ट** को स्वीकार किए जाने में बाधा डालने की कोशिश रहा है। उसकी मांग है कि रिपोर्ट में उल्लेखित **कार्बन के उत्सर्जन को कम करने का संकल्प लेने वाले अंश को या तो हटाया जाए या उसे संशोधित किया जाए।**

क्या है

1. **दक्षिण कोरिया के इंचियोन** में 195 सदस्य देशों वाले **आईपीसीसी की बैठक में इस अहम रिपोर्ट पर मंथन किया जा रहा है,** जिसमें **ग्लोबल वॉर्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक** सीमित रखने के रास्ते तलाशे जा रहे हैं। **इन रास्तों में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को काफी कम करना शामिल है जिसका सऊदी अरब बड़ा निर्यातक है।**
2. एक पर्यवेक्षक ने बताया, हम इस बात को लेकर बहुत फिक्रमंद हैं कि एक देश धमकी दे रहा है कि अगर उसकी मांग के अनुरूप वैज्ञानिक पड़तालों को बदला नहीं जाता है या हटाया नहीं जाता है तो वह आईपीसीसी विशेष रिपोर्ट को स्वीकार करने नहीं देगा।
3. दो अन्य व्यक्तियों ने इस देश की पहचान सऊदी अरब के तौर पर की है। इन्हें स्थिति की प्रत्यक्ष जानकारी है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

4. बैठक में हिस्सा ले रहे एक प्रतिभागी ने भी नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि यह बड़े तेल उत्पादक देश सऊदी अरब और विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहे छोटे द्वीप राष्ट्रों के बीच की लड़ाई बन गई है।

भारत और रूस के बीच नवोनमेषी सहयोग

भारत और रूस के छात्रों के बीच नवोनमेषी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन की उपस्थिति में 5 अक्टूबर 2018 को नई दिल्ली में **अटल नवोन्मेषण मिशन (एआईएम) और एसआईआरआईयूएस के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। एआईएम और एसआईआरआईयूएस एजुकेशन फाउंडेशन** का प्रतिनिधित्व क्रमशः मिशन के निदेशक श्री आर रमनान और सुश्री एलेना शमेलेवा ने किया था।

क्या है

1. **रूस और भारत के छात्रों के बीच सांस्कृतिक और भाषागत बाधाएँ दूर होगी**, शैक्षिक, वैज्ञानिक, नवोनमेषी उपलब्धियों के प्रचार में सर्वोत्तम प्रचलनों को साझा किया जाएगा एवं नवोनमेषी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और दोनों देशों के प्रतिभाशाली युवाओं की खोज और उनका विकास किया जाएगा जिससे कि **दोनों देशों में ज्ञान संचालित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन मिल सके।**
2. **अटल नवोन्मेषण मिशन लगातार पूरे देश में नवोन्मेषण मिशन** के आनन्द को प्रसारित करने के अपने प्रयासों में जुटा हुआ है। एसआईआरआईयूएस एजुकेशन फाउंडेशन सही दिशा में एक कदम है।
3. अतर्राष्ट्रीय गठबंधन हमारे छात्रों के मस्तिष्क को विस्तारित करेगा, उनकी उत्सुकताओं का समाधान करेगा, और उनकी बुद्धिमत्ता बढाएगा।
4. सहयोगी नवोन्मेषण की भावना को बढ़ावा देने के लिए, **अटल टिंकरिंग लैब्स और एसआईआरआईयूएस एजुकेशनल फाउंडेशन के युवा नवोन्मेषक** 1 अक्टूबर से 4 अक्टूबर तक चार दिवसीय भारत-रूसी एटीएल नवाचार बूट-कैम्प में एकत्र हुए।
5. बूट-कैंप का आयोजन डिजाइन विभाग, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से अटल टिंकरिंग लैब्स, अटल नवोन्मेषण मिशन द्वारा किया गया था। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, स्मार्ट मोबिलिटी, स्वच्छ ऊर्जा और कृषि प्रौद्योगिकी में विकसित नवाचारों को 5 अक्टूबर को भारत के प्रधान मंत्री और रूस के राष्ट्रपति के समक्ष प्रर्दशित किया गया था।

अटल नवोन्मेषण मिशन के बारे में

1. **अटल नवोन्मेषण मिशन (एआईएम)** भारत में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए **नीति आयोग की प्रमुख पहल है।**
2. स्कूल, विश्वविद्यालय और उद्योग के स्तर पर विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से नवाचार और उद्यमिता के पारिस्थितिक तंत्र को बनाने और बढ़ावा देने के लिए एआईएम की स्थापना की गई है।
3. एआईएम विश्व स्तर के नवोन्मेषण हब, ग्रैंड चौलेंज, स्टार्ट-अप व्यवसाय और भारत में अन्य स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है, जो अत्याधुनिक, उन्नत और किफायती उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाता है।

अटल नवोन्मेषण मिशन के दो मुख्य कार्य हैं:

1. **नवोन्मेषण संवर्धन:** एक मंच प्रदान करना जहां नवोन्मेषी विचार उत्पन्न होते हैं।
2. **उद्यमशिलता संवर्धन:** जिसमें इनक्यूबेशन केंद्रों में सफल उद्यमी बनने के लिए नवोन्मेषकों का समर्थन और मार्गदर्शन किया जाएगा।

एसआईआरआईयूएस एजुकेशनल फाउंडेशन के बारे में

1. **फंड 'प्रतिभा और सफलता' एक एकात्मक, गैर-लाभकारी, गैर-मानक शैक्षणिक संगठन है।** फाउंडेशन की गतिविधियों का उद्देश्य उन बच्चों और युवा लोगों की पहचान करना और समर्थन करना है जिन्होंने असाधारण क्षमताएँ प्रर्दशित की हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

2. कला, प्राकृतिक विज्ञान, भौतिक संस्कृति और खेल के क्षेत्र में शिक्षा सहित, इस तरह के व्यक्तित्वों के लिए सामान्य और अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना।

विश्व की सबसे लंबी फ्लाइट

दुनिया की सबसे लंबी उड़ान के लिए सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट ने चांगी एयरपोर्ट से 11 अक्टूबर 2018 को उड़ान भरी। **यह फ्लाईट न्यू यॉर्क तक की 16,700 किलोमीटर की दूरी लगभग 19 घंटे में पूरी करेगी। सिंगापुर एयरलांइस दुनिया की पहली एयरलाइन है जो यह एयरबस A350-900 ULR शुरू कर रही है।** इसमें 161 यात्री सवार हो सकते हैं जिनमें 67 बिजनस क्लास में, 94 प्रीमियम इकॉनमी क्लास में सवार होंगे। इस फ्लाइट में रेग्युलर इकॉनमी क्लास नहीं है।

क्या है

1. **इस फ्लाइट में दो पायलट, एक स्पेशल वेलनेस मेन्यू और फिल्म और टीवी एंटरटेनमेंट** के लिए यात्रियों के पास बहुत से विकल्प होंगे। लगभग 19 घंटे की इस फ्लाइट में केबिन क्रू का भी ख्याल रखा गया है, ताकि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव न हो।
2. फ्लाइट में 2 फर्स्ट ऑफिसर के साथ 13 केबिन क्रू सदस्य होंगे। दोनों ही पायलट के पास 8 घंटे का वक्त आराम के लिए होगा। **ट्विन इंजन प्लेन में अत्याधुनिक सिस्टम है,** जिससे ईंधन की खपत इसी आकार के दूसरे हवाई जहाज से 25 फीसदी से भी कम होगी।
3. फ्लाइट अगर सामान्य रफ्तार से चले और मौसम की कोई बाधा न हो तो 18 घंटे और 45 मिनट में न्यू यॉर्क तक का सफर पूरा कर लेगी। हालांकि, **पायलट के पास रिजर्व में 20 घंटे तक लगातार उड़ान भरते रहने का भी विकल्प है।**
4. 11 अक्टूबर 2018 को सबसे लंबी फ्लाइट के तौर पर विमान ने उड़ान भरी। **इससे पहले ऑकलैंड से दोहा की फ्लाइट के पास 17 घंटे 40 मिनट के साथ यह रेकॉर्ड सुरक्षित था।**

अब तक की सबसे लंबी फ्लाइट

1. सिंगापुर→ न्यू यॉर्क 18 घंटे 45 मिनट
2. ऑकलैंड→ दोहा 17 घंटे 40 मिनट
3. ह्यूसटन→ सिडनी 17 घंटे 30 मिनट
4. पर्थ→ लंदन 17 घंटे 20 मिनट
5. लास ऐंजिलिस→ सिंगापुर 17 घंटे 20 मिनट
6. ऑकलैंड→ दुबई 17 घंटे 20 मिनट
7. जोहानिसबर्ग→ अटलांटा 16 घंटे 50 मिनट

अर्थशास्त्र

डाटा लोकलाइजेशन को लेकर आरबीआई सख्त

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अपने डाटा लोकलाइजेशन की डेडलाइन को नहीं बढ़ाएगा। यह **डेडलाइन 15 अक्टूबर है।** जो फर्म अपने डाटा को भारत में स्टोर नहीं करेगी **उसके खिलाफ बैंकिंग नियामक दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है।** आरबीआई डेटा लोकलाइजेशन की शर्तों को उदार नहीं बनाएगा। साथ ही बताया जा रहा है कि अगर कोई फर्म आरबीआई के दिशानिर्देशों को नहीं मानेगी, तो उसके ग्राहकों को इसका नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा।

क्या है

1. आरबीआई की गाइडलाइन्स के मुताबिक सभी पेमेंट कंपनियों को 15 अक्टूबर तक डाटा लोकलाइजेशन पर कंप्लायंस रिपोर्ट देनी है। इस रिपोर्ट के आधार पर आरबीआई तय करेगा कि किस कंपनी पर क्या कार्रवाई होगी। 15 अक्टूबर से आगे डेडलाइन बढ़ाए जाने की संभावना बहुत कम है।
2. **अगर कोई कंपनी इन नियमों का पालन नहीं करती है तो इसका असर ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा** और उनके ट्रांजेक्शंस में रुकावट नहीं आएगी। माना जा रहा है कि **मास्टरकार्ड और वीजा जैसे बड़े नेटवर्क अपने डाटा को पूरी तरह भारत में माइग्रेट नहीं कर पाए हैं।** हालांकि, वीजा और मास्टरकार्ड ने अपने डाटा को भारत में स्टोर करना शुरू कर दिया है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

3. कहा जा रहा है कि अधिकतर कंपनियां पहले से ही आरबीआई के इन दिशानिर्देशों का पालन कर रही है और बाकी कंपनियां इस दिशा में लगी हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि डेडलाइन खत्म होने से पहले कंपनियां यह काम कर लेंगी। उद्योग जगत से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने तकनीकी चुनौतियों को लेकर दी गई कोई भी दलील नहीं सुनी है।
4. **आरबीआई का कहना है कि कंपनियां देश में डाटा स्टोरेज के लिए क्लाउड बेस्ड सर्विस ला सकती हैं।** कहा जा रहा है कि पेटीएम, फोनपे जैसी घरेलू कंपनियों के अलावा व्हाट्सऐप, अमेजन जैसी बड़ी कंपनियां भी आरबीआई के इन दिशानिर्देशों को मान रही हैं।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी एक रिपोर्ट

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक **भारत में हर पांच में से चार कंपनियों में 10 फीसद से भी कम महिला कर्मचारियों की भागीदारी है।** भारत की ज्यादातर कंपनियां महिलाओं की तुलना में पुरुष कर्मचारियों को भर्ती करना पसंद करती है। रिपोर्ट के मुताबिक **इस तरह की मानसिकता रखने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।** भारत में **तकनीक के क्षेत्र से जुड़ी नौकरियों में तेजी से इजाफा हो रहा है।** नए अवसर सृजित हो रहे हैं, लेकिन **चयन में लिंगभेद की वजह से इसका फायदा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को मिल रहा है। भारत में महिला कार्यबल की भागीदारी महज 27 फीसद है** जो वैश्विक औसत के मुकाबले **23 फीसद कम है।** एक तरफ तो भारत में तेजी से नई नौकरियां पैदा हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ **महज 26 फीसद महिला कर्मियों की भर्ती देश में महिलाओं की स्थिति पर कई सवाल खड़े करती है।**

महिलाओं की स्थिति

1. टेक्सटाइल सेक्टर में महिलाओं का वर्चस्व
2. **बैंकिंग सेक्टर में 61% महिला कर्मचारी,** टेक्सटाइल सेक्टर में 64% महिला कर्मचारी।
3. **रिटेल सेक्टर की 79 फीसद कंपनियों में 10% महिला कर्मचारी।**
4. ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स सेक्टर की 77 फीसद कंपनियों में 10% महिला कर्मचारी।
5. **भारत में 27% महिला कार्यबल।**
6. वैश्विक स्तर पर 50% महिला कार्यबल।
7. 3 में से 1 कंपनी देती हैं पुरुष कर्मचारियों को प्राथमिकता।
8. 10 में से 1 कंपनी देती हैं महिला कर्मचारियों को प्राथमिकता।
9. 770 सर्वे में शामिल भारतीय कंपनियां।
10. 770 में से उन कंपनियों की संख्या जहां 50% या अधिक महिला कर्मचारी हैं मात्र 10 है।
11. 546 वे कंपनियां जहां 10 फीसद से कम महिला कर्मचारी।
12. 172 कंपनियों में 5 फीसद महिला कर्मचारी।
13. 164 में कोई महिला कर्मचारी नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने जीएसटी एक्ट को संवैधानिक ठहराया

केंद्र सरकार को बड़ी राहत देते हुए **सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्टूबर 2018 को बहुचर्चित जीएसटी एक्ट (वस्तु एवं सेवा कर टैक्स एक्ट), 2017 तथा इसके क्षतिपूर्ति विनियमन, 2017 को संवैधानिक ठहराया।** इसके साथ ही इनके खिलाफ दायर याचिकाएं भी खारिज कर दीं। न्यायाधीश एके सीकरी और न्यायाधीश अशोक भूषण की पीठ ने **यह फैसला**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

एक कोयला आयात कंपनी की याचिका पर दिया। कंपनी ने कहा था कि **स्वच्छ ऊर्जा के एवज में वसूला गया सेस जीएसटी के तहत वसूले गए राज्यों के टैक्स में समायोजित कर उसे इसका लाभ दिया जाए।**

क्या है

1. कंपनी का कहना था कि **ऐसा प्रावधान न होने के कारण जीएसटी एक्ट और राज्य क्षतिपूर्ति एक्ट असंवैधानिक हैं।**
2. कोर्ट ने कंपनी की सभी दलीलें खारिज कर दीं। पीठ ने कहा कि **राज्यों की क्षतिपूर्ति के लिए एक्ट बनाना संसद की विधायी शक्ति से बाहर नहीं है।**
3. **अनुच्छेद 270 संसद को सेस लगाने के लिए कानून बनाने की शक्ति देता है।** संसद राजस्व के नुकसान पर राज्यों को क्षतिपूर्ति करने के लिए जीएसटी से आए राजस्व में से सेस देने का प्रावधान कर सकता है।
4. कोर्ट ने कहा कि जब संविधान के प्रावधान यह कहते हैं कि संसद राज्यों को राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए कानून बना सकती है तो यह हम नहीं मान सकते कि संसद को राज्यों के लिए कर की क्षतिपूर्ति का कानून बनाने का अधिकार नहीं है।
5. **संसद को वस्तु एवं सेवा कर के लिए कानून बनाने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 246 ए में है।** कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं का यह तर्क भी खारिज कर दिया कि राज्यों के लिए क्षतिपूर्ति कानून बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं।

फोर्ब्स की लिस्ट में सबसे अमीर भारतीय

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 47.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ लगातार **11वें साल सबसे अमीर भारतीय बनकर उभरे हैं।** फोर्ब्स पत्रिका ने यह जानकारी दी है। **अंबानी की संपत्ति इस साल 9.3 अरब डॉलर बढ़ी है।** वह **इस साल सबसे अधिक कमाई करने वाले भारतीय भी रहे हैं।** फोर्ब्स इंडिया के **भारतीय अमीरों की सूची में विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी ने दूसरा स्थान बरकरार रखा है।** उनकी संपत्ति दो अरब डॉलर बढ़कर 21 अरब डॉलर पर पहुंच गयी है।

क्या है

1. आर्सेलर मित्तल के चेयरमैन लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति **1.8 अरब डॉलर बढ़ी है** और **वह 18.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर रहे हैं।**
2. **हिंदुजा बंधु 18 अरब डॉलर तथा पलोनजी मिस्त्री 15.7 अरब डॉलर के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे हैं।**
3. शीर्ष 10 अमीर भारतीयों में शिव नाडार (14.6 अरब डॉलर), गोदरेज परिवार (14 अरब डॉलर), दिलीप सांघवी (12. 6 अरब डॉलर), कुमार बिड़ला (12.5 अरब डॉलर) और गौतम अडाणी (11.9 अरब डॉलर) शामिल रहे हैं।
4. इसके अलावा **नये अरबपतियों की संख्या भी बढ़ी है** जिससे पता चलता है कि **भारत में उद्यमिता की ऊर्जा अधिक हुई है।** प्रतिशत के हिसाब से बायोटेक उद्यमी किरण मजुमदार-शॉ की संपत्ति सर्वाधिक बढ़ी है।उनकी संपत्ति 66.7 प्रतिशत बढ़कर 3.6 अरब डॉलर पर पहुंच गयी है। वह सूची में 39वें स्थान पर हैं।
5. **इस सूची में चार महिलाएं हैं।** फोर्ब्स ने जारी बयान में कहा कि देश के शीर्ष 100 अमीरों में से 11 लोगों की संपत्ति एक अरब डॉलर से अधिक बढ़ी है। शीर्ष 100 अमीरों की सामूहिक संपत्ति इस दौरान बढ़कर 492 अरब डॉलर हो गयी है।

देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतिस्पर्धा का समापन

देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतिस्पर्धा- भारत कौशल 2018 का समापन हो गया और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री अनंत कुमार हेगडे तथा मीडिया एवं मनोरंजन कौशल परिषद के अध्यक्ष और फिल्म निर्देशक सुभाष घई ने 46 विभिन्न क्षेत्रों में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। **कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार की**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

ओर से भारत कौशल 2018 का यह दूसरा राष्ट्रव्यापी संस्करण था जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बढ़ावा देना था।

क्या है

1. **इसमें 23 राज्यों ने हिस्सा लिया** और राज्य एवं क्षेत्रीय स्तर पर अनेक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया जिसमें 50 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।
2. तीन दिवसीय प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली में किया गया जिसमें 450 सहभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें 46 प्रतिस्पर्धाओं के अलावा 10 विषय प्रदर्शन से भी संबंधित थे।
3. **इसके कुछ विजेताओं को रूस के कजान में 2019 में आयोजित होने वाले 45वें विश्व कौशल प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भेजा जाएगा।** लेकिन इससे पहले उन्हें और प्रशिक्षण दिया जाएगा।
4. इस कार्यक्रम में अनेक दिव्यांगो ने भी हिस्सा लिया और वे चीन में आयोजित होने वाले एबीलिंपिक्स में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन में **100 से अधिक कंपनियों ने अपना समर्थन दिया।**
5. इस मौके पर श्री हेगडे ने विजेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें केवल इन उपलब्धियों को ही अंतिम नही मान लेना चाहिए क्योंकि विश्व में जबर्दस्त प्रतिभा है और उन्हें इसका मुकाबला करने के लिए उन्हें तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा जो लोग इस प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल नहीं कर सके उन्हें भविष्य में जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

बार्कलेज हुरुन इंडिया रिपोर्ट

देश के शीर्ष 141 अरबपतियों (बिलियनेयर) की सूची में से 27 अकेले दिल्ली से हैं। इनमें **दो बड़े औद्योगिक घरानों के छह लोग शामिल हैं। बार्कलेज हुरुन इंडिया** की ओर से **देश के कुल 831 अमीरों की सूची तैयारी की गई है।** संस्था के मुताबिक जिनकी कुल संपत्ति 6800 करोड़ रुपये तक है, उन्हें अरबपतियों (यूएस डॉलर बिलियनेयर) की इस सूची में शामिल किया गया है। **देश के 831 अरबपतियों में से सबसे ज्यादा 233 अरबपति मुंबई में रहते हैं। इसके बाद दिल्ली में सबसे ज्यादा 163 अरबपति रह रहे हैं।** इनमें से 27 ने देश के शीर्ष अरबपतियों में स्थान बनाया है। देश के सबसे ज्यादा अरबपतियों की सूची में **तीसरा स्थान है बेंगलुरू का।** बेंगलुरू में 70 अरबपति रह रहे हैं। **सूची में पहला स्थान रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी का है।**

क्या है

1. **इस सूची में दिल्ली के 163 उद्यमियों के नाम शामिल किए गए हैं,** जिनकी **कुल संपत्ति 6 लाख 78 हजार 400 करोड़ रुपये आंकी गई है।**
2. सूची में इस बार दिल्ली के अमीरों की संख्या पिछले साल के मुकाबले 46 अधिक है। पिछले साल सूची में दिल्ली से कुल 117 अमीरों के नाम दर्ज थे। इनमें 27 अमीर ऐसे हैं, जो टॉप 141 अरबपतियों की सूची में शामिल हैं।
3. **दिल्ली के 163 अमीरों में से 64 शख्सियतें ऐसी हैं, जिन्होंने खुद से यह मुकाम हासिल की है।** इनका कोई पैतृक व्यवसाय नहीं था। **दिल्ली के इन अमीरों में 29 महिलाएं हैं।**
4. बार्कलेज बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नारायण बंसल ने बताया कि दिल्ली समेत देशभर के उद्यमियों की कुल संपत्ति की यह रिपोर्ट एक तरह से उनकी कामयाबी बयां करती है।
5. इस पर हमें गर्व करना चाहिए। हमने यह रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर इन उद्यमियों की तरफ से बताई गई उनकी कुल संपत्ति के आधार पर तैयार की है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

दिल्ली के टॉप 10 अमीर

	नाम	कुल संपत्ति	कंपनी	क्षेत्र
1.	शिव नादर	37,400 करोड़	एचसीएल	सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज
2.	विक्रम लाल	37,100 करोड़	एइचर मोटर्स	ऑटोमोबाइल
3.	रोशनी नादर	31,400 करोड़	एचसीएल	सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज
4.	सुनिल भारती मित्तल	22,500 करोड़	भारती एयरटेल	दूरसंचार
5.	राजीव सिंह	21,000 करोड़	डीएलएफ	रियल एस्टेट
6.	किरण नादर	20,900 करोड़	एचसीएल	सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज
7.	आनंद बर्मन	19,500 करोड़	डाबर इंडिया	एफएमसीजी
8.	राजन भारती मित्तल	13,900 करोड़	भारती एयरटेल	दूरसंचार
9.	राकेश भारती मित्तल	13,900 करोड़	भारती एयरटेल	दूरसंचार
10.	राहुल भाटिया	12,800 करोड़	इंटरग्लोब एवियशन	एवियशन

दिल्ली की सिर्फ दो महिलाएं

1. **शीला गौतमः** फर्निशिंग सेक्टर की शीला फॉम की मालकिन हैं। इनकी कुल संपत्ति 2800 करोड़ रुपये है।
2. **वंदना लूथराः** वीएलसीसी की मालकिन हैं। इनकी कुल संपत्ति 1300 करोड़ रुपये है।

विज्ञान एवं तकनीकी

इसके एक अणु से जा सकती है आपकी जान

फेंटानिल हाइड्रोक्लोतराइड नामक मादक पदार्थ इन दिनों सुर्खियों में है। दरअसल, **मध्य प्रदेश पुलिस ने इंदौर से फेंटानिल की एक बड़ी खेप पकड़ी है** जिसकी कीमत अवैध बाजार में करीब सौ करोड़ रुपये आंकी गई। इस मादक पदार्थ के मिलते ही **मध्य प्रदेश सरकार और प्रशासन में खलबली मच गई।** पुलिस ने इस मामले में दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, **फेंटानिल एक जानलेवा मादक पदार्थ है।** इसका महज एक अणु व्योक्ति के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

क्या है

1. **फेंटानिल हाइड्रोक्लोसराइड काफी घातक किस्म का मादक पदार्थ है।** यह **हेरोइन से 50 गुना अधिक खतरनाक है।** इसका एक छोटा सा कण भी मनुष्यत की जान लेने में सक्षम है।
2. **इसकी महज दो मिलीग्राम मात्रा से व्यसक्ति के प्राण निकल सकते हैं।** यह मादक पदार्थ काफी महंगा है। सौ माइक्रोग्राम फेंटानिल हाइड्रोक्लोगराइड की कीमत करीब 48 रुपये है। दुनिया के मुल्कोंद में इसके बेचने और खरीदने पर प्रतिबंध है। लेकिन चोरी-छिपे इसका कारोबार खूब फल-फूल रहा है।
3. इसे प्रयोगशाला में तैयार किया जाता है। **इसे कोकीन या हेरोइन के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है।** चिकित्साश जगत के अलावा इसका उपयोग नशे के रूप में भी किया जाता है।
4. दुनिया के कई मुल्कों में फेंटानिल को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। **फेंटानिल को अमेरिका में अपाचे**, तो **चीन में चाइना गर्ल, चाइना टाउन** के नाम से भी जाना जाता है।
5. दरअसल, **अस्पचतालों में सर्जरी के दौरान चिकित्समक फेंटानिल** का उपयोग मरीजों के बेहोशी के लिए करते हैं। इसके अलावा रोगी को अधिक दर्द की स्थिति में चिकित्सक इसका इस्तेंमाल करते हैं।
6. **अत्यधिक दर्द में इस मादक पदार्थ को रोगी को इंजेक्शइन के रूप में दिया जाता है।** वर्ष 2016 में फेंटानिल के सेवन से अमेरिका में 20 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। ये मौतें मादक पदार्थ की अधिक डोज लेने के चलते हुई थीं। चिकित्सा को छोड़कर अमेरिकी प्रशासन ने फेंटानिल बेचने और खरीदने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

7. फेंटानिल भले ही जानलेवा है लेकिन चिकित्साक जगत में इस मादक पदार्थ का इस्तेरमाल किया जाता है। **फेंटानिल नाम के सिंथेटिक को 1960 में पॉल जॉनसन ने तैयार किया था।**
8. **1968 अमेरिका में चिकित्साल उपयोग के लिए इसके सीमित उपयोग की इजाजत दी गई थी।** एक अनुमान के मुताबिक चिकित्साा जगत में वैश्विक स्तोर पर 1600 किलोग्राम फेंटानिल का इस्तेजमाल किया जा रहा है। 2017 तक चिकित्साज में सबसे व्यापाक रूप में इस्ते माल होने वाला सिंथेटिक है।
9. इसका सेवन करने वाला व्यतक्ति अंदर से उलझन या बेचौनी महसूस करता है। लंबे समय तक इसका सेवन करने वाला व्यइक्ति अवसाद में चला जाता है।
10. **इसके सेवन से मांसपेशियों में जकड़न पैदा होती है।** इस जकड़ने से उसे बेचौनी होती है। इसका प्रभाव ह्दय और श्वेसन तंत्र पर पड़ता है। इसके कारण व्य क्ति ह्दय का रोगी बन जाता है। सांस लेने में भी दिक्केत होती है। इसके सेवन से व्यक्ति को अत्याधिक नींद आती है।

सौरमंडल के बाहरी हिस्से में ग्रह का पता चला

वैज्ञानिकों ने **सौरमंडल के किनारे बाहरी भाग में सबसे ज्याकदा दूरी पर ऐसे पिंड का पता लगाया है** जो **प्रत्येक 40,000 वर्ष में सूर्य की एक परिक्रमा पूरा करता है।** वैज्ञानिकों की इस खोज से **ग्रह एक्स** की मौजूदगी को बल मिला है। **नए पिंड का नाम 2015 टीजी 387 रखा गया है।** यह **सूर्य से करीब 80 खगोलीय यूनिट (एयू)** की दूरी पर स्थित है। **एयू पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी बताने वाला एक पैमाना है।** उदाहरण के लिए **प्लूटो करीब 34 एयू की दूरी पर स्थित है।** इसलिए **2015 टीजी 387 इस वक्त सूर्य से प्लूटो की दूरी से भी करीब ढाई गुना दूर है।**

क्या है

1. **अमेरिका में कार्नेगी इंस्टीट्यूट फॉर साइंस के अनुसंधानकर्ताओं** ने बताया कि यह पिंड बेहद विस्तृत कक्षा में मौजूद है और यह कभी सूर्य के निकट नहीं आया है। **इस बिंदु को पेरिहेलियन कहते हैं** यानि ग्रह-कक्षा का वह बिंदु जिस पर कोई ग्रह सूर्य के निकटतम होता है।
2. **सिर्फ 2012 वीपी 113 और सेडना का पेरिहेलिया 2015 टीजी 387 से ज्यादा है** जो क्रमश: 80 और 76 एयू की दूरी पर स्थित है।
3. 2015 टीजी 387 तीसरा सबसे अधिक पेरिहेलियन दूरी वाला पिंड है, हालांकि इसकी कक्षीय अर्धप्रमुख धुरी 2012 वीपी 113 और सेडना से बड़ी है। इसका मतलब है कि 2015 टीजी 387, शेष दोनों से सूर्य से कहीं अधिक दूरी तय करता है।
4. **2015 टीजी 387 उन ज्ञात पिंडों में से एक है जो गुरुत्वाकर्षणीय प्रभाव के कारण कभी सौर मंडल के विशाल ग्रहों जैसे कि नेप्चून (वरुण) और बृहस्पति के समीप नहीं आया है।**
5. कार्नेगी से स्कॉट शेप्पर्ड ने कहा कि 2015 टीजी 387, 2012 वीपी 113 और सेडना जैसे इन कथित आंतरिक और्ट बादल वाले पिंड सौर मंडल के सबसे ज्ञात पिंडों से अलग-थलग हैं, जो उन्हें अत्यधिक रोचक बनाती है।
6. **और्ट बादल या और्ट क्लाउड एक गोले के रूप का धूमकेतुओं का बादल है** जो सूर्य से लगभग एक प्रकाश-वर्ष के दूरी पर हमारे सौरमंडल को घेरे हुए है। उन्होंने कहा कि सौर मंडल के किनारे बाहरी भाग में क्या कुछ घटित हो रहा है, यह जानने के लिए इन पिंडों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आईएसएस के अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौटे

अमेरिका और रूस में तनाव के बीच अमेरिका के दो और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने छह महीने का अभियान खत्म करके **4 अक्टूबर 2018 को पृथ्वी पर लौट आये।** नासा अंतरिक्षयात्री **ड्रियू फ्यूस्टेल और रिकी अर्नोल्ड** और **रोसकोसमोस के ओलेग आर्तिमयेव** अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह 11 बजकर 45 मिनट पर **कजाखिस्तान के कजाख नगर के दक्षिणपूर्व में उतरे।** यह अंतरिक्ष यात्री ऐसे समय में वापस आए हैं

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

जब रूस और अमेरिका के अधिकारी अंतरिक्ष स्टेशन पर लगे एक **रूसी अंतरिक्ष यान में एक रहस्यमय छेद सामने आने की जांच कर रहे हैं।**

क्या है

1. **इस छेद का पता अगस्त में चला था जिससे आईएसएस पर वायु रिसाव हुआ था**, हालांकि उसे तत्काल सील कर दिया गया था। इस हफ्ते रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख दमित्रि रोगोजिन ने कहा था कि जांचकर्ताओं का मानना है कि छोटा छेद जानबूझकर बनाया गया था और उक्त छेद विनिर्माण दोष नहीं था।
2. पिछले महीने रूसी समाचारपत्र श्कोमेरसेंतश ने खबर दी थी कि एक जांच में इस संभावना का पता लगाया कि अमेरिकी अंतरिक्षयात्रियों ने जानबूझकर छेद किया था ताकि एक बीमार सहयोगी को वापस घर भेजा जा सके। रूसी अधिकारियों ने हालांकि बाद में इससे इनकार कर दिया था।

सौरमंडल से बाहर मिला 'चांद'

हमारे सौरमंडल से बाहर सैकड़ों ग्रह मौजूद हैं। मगर अब तक यह नहीं पता चल सका था कि क्या बाहर भी एक चांद मौजूद है। अब वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि **धरती से 8000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर एक संभावित चांद हो सकता है।** खगोलविदों का कहना है कि **यह चांद आकार में धरती से बड़ा है। इसका आकार नेपच्यून ग्रह के बराबर माना जा रहा है।** कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एलेक्स टीचे और डेविड कीपिंग ने इसकी शोध की है। शोधकर्ताओं ने **नासा के केपलर स्पेस टेलिस्कोप से 284 ग्रहों का अध्ययन किया।** इनमें से सिर्फ **एक ही ग्रह 'केपलर-1625बी'** ऐसा पाया गया, जो चांद से मिलता-जुलता था। **यह तारा केपलर-1625 की कक्षा में मौजूद है।**

क्या है

1. पिछले साल अक्तूबर में शोधकर्ताओं ने **दूसरे चांद की तलाश के लिए इस अध्ययन की शुरुआत की थी।** उन्हें ऐसे तारे की तलाश थी, जिसकी रोशनी घटती-बढ़ती रहती है।
2. **यह ग्रह जब केपलर-1625 के पास से गुजरता है, तो अस्थायी तौर पर रोशनी को रोक लेता है।** खगोलविदों ने करीब तीन घंटे तक ग्रह के गुजरने की समीक्षा की।
3. यह ग्रह उम्मीद से एक घंटे से भी ज्यादा समय से परिक्रमा करते हुए गुजरा। चांद की वजह से ग्रह को अज्ञात रास्ते से गुजरना पड़ा।
4. डेविड कीपिंग का कहना है कि **धरती और चांद भी ऐसे ही दिखते हैं।** एक और रोचक बात यह है कि **इस ग्रह की अपने तारे से उतनी ही दूरी है, जितनी धरती की सूरज से है।**
5. हालांकि शोधकर्ता चांद के पूरे रास्ते की समीक्षा नहीं कर पाए। अपने शोध की पूरी तरह पुष्टि करने के लिए उन्हें अगले साल फिर से अध्ययन करना होगा।

हब्बल टेलिस्कोप मुश्किल में

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि **वर्ष 1990 से कक्षा में मौजूद हब्बल अंतरिक्ष टेलीस्कोप ने एक गाइरोस्कोप के काम बंद कर देने के कारण अपना संचालन अस्थाई रूप से बंद कर दिया है।** नैशनल एयरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने कहा कि हब्बल **"सुरक्षित मोड"** में चला गया था। नासा ने एक बयान में कहा, **"टेलिस्कोप को स्थिर करने एवं लक्ष्य को इंगित करने वाले तीन में से एक गाइरोस्कोप के काम न करने की वजह से हब्बल सुरक्षित मोड में प्रवेश कर गया।** बीते दिनों हब्बल की मदद से ही **खगोलविदों ने सौरमंडल के बाहर चांद होने की बात कही थी।**

क्या है

1. **सुरक्षित मोड टेलीस्कोप को एक स्थिर स्थिति में तब तक रखता है जब तक कि ग्राउंड कंट्रोल (निगरानी करने वाला उपकरण या कर्मी) इस समस्या को सुधार नहीं लेता** और मिशन फिर सामान्य रूप से काम नहीं करने लगता।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

2. नासा ने कहा, **हब्बल के उपकरण पूरी तरह से काम कर रहे हैं और आने वाले सालों में विज्ञान के क्षेत्र में इनसे बेहतरीन नतीजे मिलने की उम्मीद है।** हब्बल में **छह गाइरोस्कोप हैं,** जो टेलीस्कोप को आधार देते हैं। **वर्तमान में हब्बल में दो गाइरोस्कोप काम कर रहे हैं** और उसे सर्वोत्कृष्ट काम के लिए कम से कम तीन की जरूरत है।
3. पिछले हफ्ते ही खगोलविदों ने **पहली बार सौरमंडल के बाहर एक और चांद होने सबूत खोजे थे।** वैज्ञानिकों ने इसके लिए ह्यूबल और केप्लर स्पेस टेलिस्कॉप का इस्तेमाल किया था।

देश का दूसरा स्पेस सेंटर बनाने की तैयारी शुरू

देश का दूसरा स्पेस सेंटर जम्मू में बनाने का कार्य 11 अक्टूबर 2018 को शुरू हो गया। एटामिक, स्पेस विभाग, उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास और प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. के सिवन की मौजूदगी में **सेंट्रल यूनिवर्सिटी जम्मू में देश का दूसरा और उत्तर भारत का पहला स्पेस सेंटर बनाने के लिए दो अनुबंध हुए।** जम्मू में सतीश धवन सेंटर फॉर साइंस बनाने के लिए इसरो व जम्मू सेंट्रल यूनिवर्सिटी में गुरुवार को दो अनुबंध हुए। इस मौके पर डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के राधाकृष्णन व जम्मू सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. अशोक एमा और कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

क्या है

1. **सांबा जिले के राया सुचानी में 1150 वर्ग मीटर में बनने जा रहा सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस** अगले वर्ष के अंत तक काम करने लगेगा।
2. **पहला स्पेस सेंटर दक्षिण भारत में करीब पांच दशक पहले स्थापित हुआ था। जम्मू के साथ त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में भी जल्द स्पेस सेंटर बनाने की मुहिम शुरू होगी।**
3. जम्मू में बनने जा रहा स्पेस रिसर्च सेंटर राज्य के साथ पड़ोसी राज्यों के लिए भी अहम साबित होगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार के साधन पैदा होंगे।
4. इस मौके पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्पेस सेंटर राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगा। स्पेस तकनीक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज इसका इस्तेमाल मौसम, रेल प्रबंधन और सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्र में शौचालय तलाशने तक के लिए भी किया जा रहा है।
5. यह स्पेस सेंटर आने वाले समय में **आपदा प्रबंधन, स्वास्थ, शिक्षा, संचार, मौसम के पूर्वानुमान में बहुत कारगर साबित होगा।** इससे युवाओं को स्पेस साइंस के क्षेत्र में योगदान देने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। **इसरो मानवता की सहायता के लिए इसके संथापकों डॉ. विक्रम साराभाई व प्रो. सतीश दीवान द्वारा शुरू किए मिशन पर आगे बढ़ रहा है।** उन्होंने जम्मू में स्पेस सेंटर बनने से होने वाले अन्य फायदों के बारे में भी जानकारी दी।
6. जम्मू में जल्द बनने जा रहे स्पेस सेंटर को **विश्व विख्यात वैज्ञानिक, इसरो के पूर्व चौयरमैन व मंगलयान मिशन के प्रणेता डॉ. के राधाकृष्णन विशिष्ट पहचान दिलाएंगे।**
7. डॉ. राधाकृष्णन जल्द बनने जा रहे स्पेस सेंटर के सलाहकार हैं। सलाहकार बनाने का आग्रह स्वीकार करने के बाद इस संबंध में वह जम्मू के कई दौरे कर चुके हैं।
8. जम्मू की तरह ही एक स्पेस सेंटर **उत्तर पूर्वी राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में भी स्थापित किया जा रहा है। यह सेंटर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी त्रिपुरा की देखरेख में कार्य करेगा।**

बुध के रहस्यों से पर्दा उठाएगा यूरोपीय अंतरिक्ष यान

ब्रिटेन में बना एक अंतरिक्ष यान इस हफ्ते बुध की यात्रा पर निकलेगा। यह अपनी तरह का पहला अभियान होगा जिसका मकसद यह पता लगाना है कि **क्या सूर्य के सबसे करीबी ग्रह पर पानी है या नहीं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के बेपीकोलंबो अभियान** के तहत दो कृत्रिम उपग्रह जैसे उपकरण भेजे जाएंगे जो उस ग्रह से जुड़ी जानकारी जुटाएंगे **जहां सतह का तापमान करीब 450 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. यान में लादे जाने वाले एक उपकरण का निर्माण करने वाली ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लीसेस्टर की प्रोफेसर एम्मा बंस ने कहा, **बुध से जुड़ी ऐसी कुछ मजेदार और अलग तरह की चीजें हैं, जिनके बारे में हमें अब भी नहीं पता।**
2. एक खबर के अनुसार **बेपीकोलंबो अभियान** से पूर्व के अभियानों में सामने आए सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। इन सवालों में **इस ग्रह पर पानी की मौजदूगी से जुड़ा सवाल शामिल है।**
3. सूर्य से बेहद करीब होने के बावजूद बुध के झुकाव का मतलब है कि उसके कुछ क्षेत्र स्थायी रूप से छाया में रहते हैं और **तापमान शून्य से नीचे 180 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है** जिससे ग्रह पर बर्फ जमने की संभावना है। **अनुसंधानकर्ता साथ ही बुध के चुंबकीय क्षेत्र के बारे में और जानकारी जुटाना चाहते हैं।**

विविध

2014 से नहीं दिया गया अंतरराष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर शुरू किया गया सालाना 'अंतरराष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार' पिछले चार साल से नहीं दिया गया है। देश 2 अक्टूबर 2018 को महात्मा गांधी की 149वीं जयंती मना रहा है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए प्रस्ताव प्राप्त करने वाली नोडल एजेंसी संस्कृति मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि इस सम्मान के लिए नामांकन हासिल किए गए लेकिन मंजूरी की प्रतीक्षा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नामांकन आए हैं लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इसमें देरी क्यों हुई।

क्या है

1. **गांधी जी के सिद्धांतों को श्रद्धांजलि के तौर पर भारत सरकार ने यह पुरस्कार 1995 में उनकी 125वीं जयंती पर शुरू किया था।**
2. **पिछली बार यह सम्मान 2014 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)** को दिया गया था।
3. यह पुरस्कार उन व्यक्तियों या संस्थाओं को दिया जाता है जिन्होंने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक बदलावों के लिए अहिंसा एवं अन्य गांधीवादी तरीकों द्वारा योगदान किया है। इस पुरस्कार में एक करोड़ रुपये नकद और प्रशस्तिपत्र दिया जाता है।
4. पुरस्कार विजेता का फैसला एक जूरी द्वारा किया जाता है जिसमें **प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता, प्रधान न्यायाधीश और दो अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति** शामिल होते हैं।
5. जिस वर्ष यह पुरस्कार दिया जाता है, उस साल 30 अप्रैल तक संस्कृति मंत्रालय के कार्यालय द्वारा प्राप्त नामाकंनों पर विचार किया जाता है। **यह पुरस्कार सबसे पहले 1995 में तंजानिया के पूर्व राष्ट्रपति जूलियस के न्येरेरे को दिया गया था।**
6. उसके अगले वर्ष यह सम्मान सर्वोदय श्रमदान आंदोलन के संस्थापक अध्यक्ष एआर टी एरियारत्ने को मिला था। 1997 में यह सम्मान जर्मनी के गेरहार्ड फिशर ने प्राप्त किया। 1998 में इस पुरस्कार के लिए रामकृष्ण मिशन तथा 1999 में बाबा आमटे का चयन किया गया था।
7. **यह पुरस्कार 2000 में नेल्सन मंडेला और ग्रामीण बैंक, बांग्लादेश को संयुक्त रूप से दिया गया था।** 2005 में आर्कबिशप डेसमंड टूटू को यह पुरस्कार मिला। **आठ साल के अंतराल के बाद 2013 में यह सम्मान चिपको आंदोलन से जुड़े पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट को दिया गया।**

भौतिकी क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2018

लेजर भौतिकी के क्षेत्र में आविष्कार को लेकर तीन वैज्ञानिकों को 2018 के भौतिकी विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से नवाजे जाने की 2 अक्टूबर 2018 को निर्णायक मंडल ने कहा कि **इन वैज्ञानिकों के आविष्कार ने दृष्टिदोष**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

को दूर करने के लिए नेत्र शल्य चिकित्सा में इस्तेमाल किए जाने वाले अत्याधुनिक औजारों को ईजाद किए जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

क्या है

1. **अमेरिका के आर्थर आस्किन (96) को पुरस्कार राशि 10 लाख एक हजार डॉलर का आधा हिस्सा मिलेगा**, जबकि शेष रकम फ्रांस के जेरार्ड मोउरो और कनाडा की डोना स्ट्रिकलैंड को संयुक्त रूप से मिलेगी। **आस्किन को आप्टिकल ट्वीजर का आविष्कार करने के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया है। यह अणु, विषाणु और अन्य जीवित कोशिकाओं** को अपने लेजर बीम फिंगर से पकड़ सकता है।
2. स्ट्रिकलैंड महिला हैं, जिन्हें भौतिकी का नोबेल मिला है। इन दोनों ने मिल कर **अल्ट्रा शार्ट पल्सेस पैदा करने वाली एक पद्धति विकसित की।**
3. ये मानव द्वारा अब तक बनाई गई सबसे छोटी और सबसे तेज लेजर पल्सेज हैं। उनकी तकनीक का इस्तेमाल अब नेत्र शल्य चिकित्सा में किया जा रहा है।

चिकित्सा के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार 2018

दो प्रतिरक्षा वैज्ञानिकों (इम्यूनोलाजिस्ट) अमेरिका के जेम्स एलीसन और **जापान के तासुकु होन्जो को कैंसर थेरेपी की खोज के लिए चिकित्सा के क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है।** ज्यूरी ने 1 अक्टूबर 2018 को यह जानकारी दी। नोबेल एसेंबली ने कहा, **जेम्स एलिसन और तासुकु होन्जो को ऋणात्मक प्रतिरक्षा विनियमन के अवरोध से कैंसर थेरेपी की खोज के लिए** इस सम्मान से नवाजे जाने की घोषणा की गई है।

क्या है

1. **इन दोनों वैज्ञानिकों ने कैंसर के इलाज के लिए ऐसी थेरपी विकसित की है,** जिसमें प्रतिरक्षा अवरोधक थेरेपी कुछ कैंसर कोशिकाओं के साथ साथ इम्यून सिस्टम से बने प्रोटीनों को निशाना बनाती है।
2. एलीसन टेक्सास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैं और **होन्जो क्योतो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैं।** इन दोनों को 2014 में उनके अनुसंधान के लिए अन्य पुरस्कार दिया जा चुका है।
3. इन दोनों को नोबेल पुरस्कार के तहत लगभग 10.1 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। एलीसन और होन्जो को 10 दिसम्बर को स्टॉकहोम में एक औपचारिक समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

46वें प्रधान न्यायाधीश ने शपथ ली

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की कार्यशैली और मुकदमों के आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले न्यायाधीशों में शामिल **न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने 3 अक्टूबर 2018 को देश के 46वें प्रधान न्यायाधीश पद की शपथ ली।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने **तीन अक्टूबर को राष्ट्रपति भवन में न्यायमूर्ति गोगोई को प्रधान न्यायाधीश पर की शपथ दिलायी। असम के राष्ट्रीय नागरिक पंजी और लोकपाल कानून के तहत लोकपाल संस्था की स्थापना** जैसे विषयों पर सख्त रूख अपनाने वाले न्यायमूर्ति गोगोई करीब **13 महीने देश के प्रधान न्यायाधीश रहेंगे।** न्यायमूर्ति गोगोई को न्यायिक प्रक्रिया और कार्यवाही के संदर्भ में एक सख्त न्यायाधीश के रूप में जाना जाता है।

क्या है

1. निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की कार्यशैली को लेकर **12 जनवरी को न्यायमूर्ति जे चेलमेश्वर के नेतृत्व में प्रेस कॉन्फ्रेन्स करने वाले चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति गोगोई भी शामिल थे।**
2. केरल में फरवरी, 2011 में एक ट्रेन में हुये सनसनीखेज सौम्या बलात्कार और हत्या के मामले में शीर्ष अदालत के निर्णय से असहमति व्यक्त करते हुये पूर्व न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू ने तब सोशल मीडिया पर तल्ख टिप्पणियां कीं थीं। इसे लेकर न्यायमूर्ति गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने **11 नवंबर, 2016 को पूर्व सहयोगी न्यायमूर्ति मार्कण्डेय काटजू को अवमानना का नोटिस जारी करके सनसनी पैदा कर दी थी।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

3. **यह पहला मौका था जब शीर्ष अदालत ने अपने ही पूर्व सदस्य के खिलाफ स्वतः अवमानना का नोटिस जारी किया था।** न्यायमूर्ति काटजू ने बाद में अपनी टिप्पणियों के लिये न्यायालय से क्षमा मांग ली थी जिसे स्वीकार करते हुये न्यायमूर्ति गोगोई की पीठ ने मामला खत्म कर दिया था।
4. असम निवासी **न्यायमूर्ति गोगोई की 23 अप्रैल, 2012 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नति हुई थी और 17 नवंबर, 2019 तक वह प्रधान न्यायाधीश रहेंगे।**
5. असम के डिब्रूगढ़ में 18 नवंबर, 1954 को जन्मे रंजन गोगोई ने साल 1978 में वकालत शुरू की और 28 फरवरी, 2001 को उन्हें गौहाटी उच्च न्यायालय का स्थाई न्यायाधीश बनाया गया।
6. इसके बाद नौ सितंबर, 2010 का उनका तबादला पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में किया गया और 12 फरवरी, 2011 को उन्हें इसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2018

2018 के रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार तीन रसायन शास्त्रियों **फ्रांसिस एच ऑर्नल्ड (अमेरिका), जॉर्ज पी स्मिथ (अमेरिका) और सर ग्रेगॅरी पी विंटर (ब्रिटेन)** को दिया जा रहा है। **विजेताओं में एक महिला और दो पुरुष वैज्ञानिक हैं।** रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज ने कहा कि इस साल जिन तीन हस्तियों को रासायन के क्षेत्र में नोबेल प्राइज के लिए चुना गया है उन्होंने **एंजाइम्स और ऐंटीबॉडीज को विकसित करने के लिए क्रमिक विकास की शक्ति का इस्तेमाल किया है। जिससे नए फार्मास्युटिकल और बायोफ्युल** का निर्माण हुआ है।

क्या है

1. **कैलिफॉर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी की फ्रांसिस एच ऑर्नल्ड को एंजाइम्स** के पहले निर्देशित विकास के लिए प्राइज का आधा हिस्सा दिया गया है।
2. उनके इस प्रयास से और अधिक पर्यावरण अनुकूल रसायनों का निर्माण हुआ है जिनमें ड्रग्स और नवीनीकृत ईंधन शामिल हैं।
3. वहीं, यूनिवर्सिटी और मिसूरी के जॉर्ज स्मिथ और कैम्ब्रिज स्थित एमआरसी लैबरेटरी एवं मॉलिक्यूलर बायॉलजी के सर ग्रेगॅरी पी विंटर को प्राइज का बाकी का हिस्सा दिया गया है।
4. **स्मिथ ने प्रोटीन के विकास के नए तरीके का ईजाद किया है,** जबकि **विंटर ने नई दवाइयों के उत्पादन को ध्यान में रखते हुए ऐंटीबॉडीज के विकास के सिद्धांत का इस्तेमाल किया।**

भारत ने चलाया 'ऑपरेशन समुद्र मैत्री'

भूकंप और सुनामी से तबाह हुए इंडोनेशिया की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन समुद्र मैत्री चलाया है। ऑपरेशन समुद्र मैत्री के अंतर्गत भारत भूकंप और सुनामी से प्रभावित हुए **इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में राहत और मदद का काम करेगा।** 2 अक्टूबर 2018 सुबह भारतीय वायुसेना के **दो विमान C-130 J और C-17 राहत सामग्री और मेडिकल टीम को लेकर रवाना हुए हैं।**

क्या है

1. **C-130J वायुयान चिकित्सा कर्मियों की एक टीम के साथ-साथ टेंट और चिकित्सा उपकरण लेकर रवाना हुआ है।** इन उपकरणों की सहायता से ये **चिकित्सा टीम इंडोनेशिया में एक अस्थायी अस्पताल बनाएगी।** इस अस्पताल में भूकंप और सुनामी प्रभावित लोगों का इलाज किया जा सकेगा।
2. **वायुसेना के दूसरे जहाज C-17 में दवाइयां, जेनेरेटर, टेंट और पीने का पानी भेजा जा रहा है।** जिससे भूकंप पीड़ितों को तुरंत मदद मिल सके। गौरतलब है कि दुख की इस घड़ी में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनिशया के राष्ट्रपति जोकिको विडोडो से फोन पर बातचीत कर उन्हें सहायता का आश्वासन दिया था।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

3. 1 अक्टूबर 2018 को भी **भारत ने तीन समुद्री जहाज आईएनएस तीर, आईएनएस सुजाता और आईएनएस शार्दुल को राहत सामग्री लेकर रवाना किया था।** ये जहाज करीब 30 हजार लीटर बोतलबंद पानी, 15 हजार लीटर जूस, 500 लीटर दूध, 700 किलो बिस्किट आदि राहत सामग्री लेकर रवाना हुए।
4. अनुमान के मुताबिक ये तीनो जहाज 6 अक्टूबर तक इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत पहुंच जायेंगे।
5. इंडोनेशिया में भूकंप के बाद आई सुनामी की वजह से 1300 लोगों की मौत हो चुकी है।

अरुणाचल के तीन जिले में केंद्र ने लगाया अफस्पा

अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों को अशांत घोषित करते हुए में केंद्र सरकार ने **वहां सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (अफस्पाज) की अवधि को बढ़ा दिया गया है।** ये जिले हैं, **तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग।** गृह मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी की। **इन तीन जिलों के अलावा अरुणाचल के असम सीमा से सटे लगभग आठ पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले कुछ इलाकों को भी अशांत घोषित किया गया है।** पूर्वोत्तर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों की लगातार चल रहीं गतिविधियों को देखते हुए अफस्पा की अवधि को बढ़ाया गया है।

क्या है

1. गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, **तिरप, चांगलांग, लोंगडिंग जिलों और असम सीमा से लगने वाले 8 थानों के इलाकों को अशांत घोषित किया गया है।**
2. ऐसे में अफस्पा एक्ट, 1958 की धारा 3 के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए **केंद्र सरकार इन इलाकों में 31 मार्च 2019 तक अफस्पा को लागू करने की घोषणा करती है।** यह **1 अक्टूबर 2018** से लागू माना जाएगा, अगर इससे पहले नहीं हटा दिया जाता है।श
3. गृह मंत्रालयों ने जिन आठ थाना क्षेत्रों को अशांत घोषित किया है, उनमें **पश्चिम कामेंग जिले के बालेमू और भालुकपोंग, पूर्वी कामेंग जिले का सीजोसा, पापुमपारे जिले का बालिजान, नमसाई जिले के नमसाई और महादेवपुर, निचली दिबांग घाटी जिले में रोइंग** और **लोहित जिले में सुनपुरा** थाना शामिल हैं।
4. संबंधित क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद यह फैसला किया गया। अरुणाचल प्रदेश के इन इलाकों में प्रतिबंधित उग्रवादी समूह **यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा), नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन-के)** और **नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी)** सक्रिय हैं।
5. इससे पहले असम के गवर्नर जगदीश मुखी ने 30 अगस्त को राज्य में अफस्पा अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया था।
6. **अफस्पा एक्टस के अनुसार अशांत क्षेत्रों में सुरक्षाबलों को विशेष शक्तियां दी जाती हैं।** सशस्त्र बलों को तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने और बल प्रयोग करने जैसे मामलों में सामान्य के मुकाबले ज्यादा स्वतंत्रता मिलती है। हालांकि लोग इस एक्टर का विरोध करते रहे हैं। **इरोम शर्मिला ने अफस्फा के विरोध में लगभग 16 साल अनशन किया।**

एसएसजी पुरस्कार 2018

ये पुरस्कार राष्ट्रसपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में **महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन के समापन सत्र में प्रदान किए गए। हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य का खिताब दिया गया** जबकि **महाराष्ट्र के सतारा जिले को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2018 की रैंकिंग में सबसे अच्छे जिले का स्थान मिला।** उत्तर प्रदेश को पेयजल और स्वचच्छ ता के क्षेत्र में सर्वाधिक जनभागीदारी के लिए पुरस्कृत किया गया। बाद में केन्द्रीय पेयजल और स्वच्छता मंत्री उमा भारती ने शीर्ष स्थान पाने वाले देश के तीन राज्यों और जिलों को प्रवासी भारतीय केंद्र में पुरस्कार प्रदान किए।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय ने एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी के माध्यम से **मात्रात्मक और गुणात्मक स्वच्छता (स्वच्छता) मानकों के आधार** पर भारत के सभी जिलों की रैंकिंग तय करने के लिए **स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2018 (एसएसजी 2018)** की शुरुआत की थी।
2. रैंकिंग तय करने के लिए स्कूलों, आंगनवाड़ी, पीएचसी, हाट/बाजार, और पंचायतों जैसे सार्वजनिक स्थलों और स्वच्छता के प्रति लोगों की धारणा तथा एसबीएम-जी आईएमआईएस की ओर से कार्यक्रम और डेटा सुधार के लिए दिए गए सुझावों को आधार बनाया गया था।
3. स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण के तहत **पूरे भारत में 685 जिलों के 6786 गांवों को शामिल किया गया था।** इनमें 6786 गांवों में 27,963 सार्वजनिक स्थानों अर्थात स्कूल, आंगनवाड़ी, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र, हाट/बाजार/धार्मिक स्थानों आदि का सर्वेक्षण एक स्वतंत्र एजेंसी ने किया था।
4. एसबीएम-जी संबंधित मुद्दों पर गांववासियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए लगभग 182,531 नागरिकों का साक्षात्कार किया गया था। इसके अलावा एक ऐप के जरिए नागरिकों को स्वच्छता संबंधी मुद्दों पर ऑनलाइन प्रतिक्रिया देने के लिए भी कहा गया था।
5. प्रत्यक्ष निरीक्षण से डेटा संग्रह सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता की स्थिति के भौतिक अवलोकन पर आधारित था। सर्वेक्षण एजेंसी ने जहां भी आवश्यक हो, फोटोग्राफ / वीडियो के साथ अपने अवलोकन और निष्कर्ष रिकॉर्ड करने के लिए नक्शे और सरल हैंडहेल्ड डिवाइस / रिकॉर्डिंग प्रारूपों का उपयोग किया।
6. व्यापक खुली बैठकें, व्यक्तिगत साक्षात्कार और केन्द्रित समूह चर्चाओं (एफजीडी) के जरिए लोगों से प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। **प्रत्येक गांव में एफजीडी आयोजित किए गए थे।**
7. सर्वेक्षण में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया और अपनी प्रतिक्रिया दी। एसएसजी 2018 प्रत्येक गांव में सामान्य स्वच्छता में सुधार के लिए समुदायों के साथ बड़े पैमाने पर जन आंदोलन अभ्यास के रूप में सामने आया। ग्राम पंचायतों ने सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए अपने स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से धन दिया।

शीर्ष स्थान पाने वाले 3 राज्य

1. हरियाणा
2. गुजरात
3. महाराष्ट्र

शीर्ष स्थान पाने वाले 3 जिले

1. सतारा (महाराष्ट्र)
2. रेवाड़ी (हरियाणा)
3. पेडापल्ली (तेलंगाना)

सबसे ज्यादा जनभागीदारी वाले राज्य

1. उत्तर प्रदेश
2. गुजरात
3. महाराष्ट्र

सबसे ज्यादा जनभागीदारी वाले जिले

1. नाशिक (महाराष्ट्र)
2. सोलापुर (महाराष्ट्र)
3. चितौड़गढ़ (राजस्थान)

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

क्षेत्रीय और संघ शासित प्रदेशों के स्तर पर शीर्ष 3 राज्य

क्षेत्र/संघ शासित प्रदेश	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
उत्तरी	हरियाणा	राजस्थान	हिमाचल प्रदेश
दक्षिणी	आंध्र प्रदेश	तेलंगाना	कर्नाटक
पूर्वी	छत्तीसगढ़	पश्चिम बंगाल	झारखंड
पश्चिमी	गुजरात	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश
उत्तर-पूर्वी	सिक्किम	मिजोरम	मेघालय
संघ शासित प्रदेश	दादर और नागर हवेली	दमन और दीव	चंडीगढ़

क्षेत्रीय और संघ शासित प्रदेश स्तर पर शीर्ष 3 जिले

क्षेत्र/संघ शासित प्रदेश	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
उत्तरी	रेवाड़ी, हरियाणा	गुरुग्राम, हरियाणा	करनाल, हरियाणा
दक्षिणी	पेडापल्ली, तेलंगाना	थुतूकुडी, तमिलनाडु	वारंगल, तेलंगाना
पूर्वी	सूरजपुर, छत्तीसगढ़	सरगुजा, छत्तीसगढ़	हजारीबाग, झारखंड
पश्चिमी	सतारा, महाराष्ट्र	पाटन, गुजरात	नाशिक, महाराष्ट्र
उत्तर-पूर्व	तवांग, अरुणाचल प्रदेश	आईजल, मिजोरम	पूर्वी सिक्किम , सिक्किम
संघ शासित प्रदेश	दादर और नागर हवेली	दमन	दीव

सात रोहिंग्या को वापस भेजा म्यांमार

असम में अवैध रूप से रह रहे सात रोहिंग्या प्रवासियों को हाल ही में उनके देश म्यांमार वापस भेज दिया गया। हालांकि समस्याह अभी खत्मी नहीं हुई है। असम पुलिस का कहना है कि राज्यय के अलग-अलग हिरासत **केंद्र शिविरों में अब भी 25 म्यांतमार नागरिक मौजूद हैं।** असम पुलिस के मुताबिक, आज भी असम में 25 म्यांमार निवासी अलग-अलग हिरासत केंद्र शिविरों में हैं। इनमें से **18 तेजपुर, 6 सिलचर** और **एक गोलपारा में है।**

क्या है

1. पुलिस का बयान उस कार्रवाई के बाद आया है, **जिसके तहत 7 म्यांमार नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया गया है, जो साल 2012 से भारत में अवैध रूप से रहे रहे थे।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 **(BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

2. भारत द्वारा उठाया गया यह इस तरह का पहला कदम है। इन अवैध प्रवासियों को 2012 में पकड़ा गया था और उसके बाद से वे असम के सिलचर स्थित कछार केंद्रीय जेल में बंद थे।
3. **इन प्रवासियों को मणिपुर में मोरेह सीमा चौकी पर म्यांमार अधिकारियों को सौंपा गया।** म्यांमार के राजनयिकों को वाणिज्यिक पहुंच प्रदान की गई थी, जिन्होंने प्रवासियों की पहचान की पुष्टि की।

नोबेल शांति पुरस्कार 2018

नोबेल पुरस्कारों में 5 अक्टूबर 2018 को शांति के पुरस्कार की घोषणा की गई। ओस्लो में पांच सदस्यों की कमिटी ने **डीआर कांगो के डॉक्टर डेनिस मुकवेगे** और **आईएस के आतंक का शिकार हुई यजीदी रेप पीड़िता नादिया मुराद** को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना है। यौन हिंसा के खिलाफ प्रभावी मुहिम चलाने और महिला अधिकारों के लिए उत्कृष्ट कार्य के बदले यह सम्मान दिया गया है।

क्या है

1. **दोनों ही विजेताओं को युद्ध क्षेत्र में यौन हिंसा को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने की मानसिकता के खिलाफ** सराहनीय काम किया है।
2. यौन हिंसा के खिलाफ इनके सर्वोच्च योगदान को देखते हुए नोबेल शांति सम्मान दिया जा रहा है।
3. **रेप पीड़िता नादिया मुराद** को आईएस के लड़ाकों ने सेक्स स्लेव बनाया था। वहां से जान बचाकर निकलने के बाद से वह **इस वक्त पूरी दुनिया में महिलाओं को यौन हिंसा के खिलाफ जागरूक करने का काम कर रही हैं।**
4. **डॉक्टर मुकवेगे पेशे से स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं** और वह यौन हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए लंबे समय से काम कर रहे हैं।
5. इस साल शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए कुल 331 (216 लोगों और 115 संगठनों) का नाम मुकाबले में शामिल हुआ था।
6. **अब तक 98 नोबेल शांति पुरस्कार दिए जा चुके हैं।** इस साल बुकी मार्केट में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन का नाम भी चल रहा था।

आरएएफ के नये बेस को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र **वाराणसी अब अर्द्ध सैनिक बल रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का नया बेस बनेगा।** नीली वर्दीधारी **यह सशस्त्र बल देश का अग्रणी दंगा रोधी और भीड़ को काबू करने वाला अर्द्ध सैनिक बल है।** इसी साल जनवरी में केंद्र सरकार ने आरएएफ की पांच बटालियनों को मंजूरी दी थी। अब उनके नए बेस को भी स्वीकृति दे दी गई है। इसके साथ ही **अब देश में आरएएफ की कुल 15 बटालियनें हो गई हैं।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी के अलावा, चार अन्य नई बटालियनें ज**यपुर (राजस्थान), मंगलुरु (कर्नाटक), हाजीपुर (बिहार)** और **नूंह (हरियाणा)** में स्थापित की जा रही हैं।

क्या है

1. **वाराणसी उत्तर प्रदेश में रेपिड एक्शन फोर्स का चौथा बेस होगा।** इससे पहले, तीन अन्य बेस मेरठ, **इलाहाबाद और अलीगढ़** में हैं। आरएएफ के पांच नए बेस के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।
2. अपना कार्यभार संभाल चुकी इन पांच नई बटालियनें कुछ ही अरसे में अपने स्थाई बेस से अपना कामकाज शुरू करेंगी। वाराणसी में आरएएफ का बेस होना प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण खास है। इसी तरह नए बेसों में हाजीपुर भी केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का संसदीय क्षेत्र है।
3. **रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) दरअसल देश के सबसे बड़े अर्द्ध सैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का हिस्सा है।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

4. **आरएएफ का गठन और उसका संचालन अक्टूबर, 1992 में शुरू हुआ था।** इसके गठन का मकसद देश के विभिन्न हिस्सों में दंगा रोकने या भीड़ को काबू करने के लिए कम-से-कम समय में उस स्थान पर पहुंचना और जल्द-से-जल्द कार्रवाई करना है।
5. पहले से स्थापित दस आरएएफ बटालियनों के बेस **हैदराबाद, अहमदाबाद, इलाहाबाद, मुंबई, दिल्ली, अलीगढ़, कोयंबटूर, जमशेदपुर, भोपाल और मेरठ** में हैं।

देश की पहली ट्रांस ब्यूटी क्वीन

छत्तीसगढ़ की वीणा सेंद्रे ने देश की पहली ट्रांस ब्यूटी क्वीन का खिताब जीत लिया है। मुंबई में आयोजित इस स्पर्धा में प्रदेश की वीणा सेंद्रे ने शानदार प्रदर्शन किया और ब्यूटी क्वीन का ताज हासिल कर लिया। गौरतलब है कि **वीना मिस ट्रांसक्वीन इंडिया कॉम्पिटिशन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रही थीं**। ऑनलाइन वोटिंग के जरिए देशभर से ट्रांसजेंडर समुदाय से ब्यूटी क्वीन का चुनाव हुआ था। इस कॉम्पिटिशन में वीना टॉप पर चल रही थीं। **13 से अधिक वोट पाकर वीना ने यह टाइटल अपने नाम किया।** इस कॉन्टेस्ट में वीना के साथ देश के अलग-अलग राज्यों से ट्रांसजेडर्स शामिल हुई थीं।

क्या है

1. **24 साल की वीना मूल रूप से रायपुर की ही रहने वाली हैं** और यहीं उन्होंने अपनी मॉडलिंग व पर्सनालिटी डेवलेपमेंट की ट्रेनिंग पूरी की है।
2. रैंप पर वॉक के दौरान वीना की अदाएं देखने लायक थीं। प्रतियोगिता के दौरान जब वह रैंप पर उतरीं तो देखने वाले देखते ही रह गए। वीना इससे पहले फैशन की दुनिया के बेहद प्रतिष्ठित माने जाने वाले श्लैक्मे फैशन वीकश के रैंप पर भी अपनी अदाओं का जलवा बिखेर चुकी हैं।
3. पीजेंट इंडिया द्वारा **यह ब्यूटी कॉन्टेस्ट पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया है।** ट्रांसजेंडर्स समुदाय को संवैधानिक मान्यता मिलने के बाद से इस स्पर्धा का दायरा बढ़ा है और अब देश के प्रत्येक राज्य से ट्रांसवुमन मॉडल्स इस स्पर्धा में चुन कर आ रही हैं।
4. अलग-अलग राउंड से होते हुए फाइनल मुकाबला सात अक्टूबर की रात को मुंबई में हुआ। पब्लिक वोटिंग, रैंप वॉक, व्यक्तित्व और प्रजेन्स और माइंड और सोशल अवेयरनेश से जुड़े कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखते हुए वीना ने सभी का दिल जीत लिया।
5. वीना ने मैट्रिक तक पढ़ाई की है। उनका कहना है कि वे आगे और पढ़ना चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों के चलते उच्च शिक्षा नहीं ले पाईं। अभी वे डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए आगे की पढ़ाई पूरी कर रही हैं।

अन्य राज्यों के इन ट्रांसजेंडरों ने लिया था हिस्सा

1. वीना सेंद्रे - छत्तीसगढ़
2. नमीता अम्मू- तमिलनाडु
3. आइजिया जोशी- पंजाब
4. नीतू- कर्नाटक
5. आर्ची सिंह- दिल्ली
6. सानिया सूद- हिमाचल प्रदेश
7. माही गुप्ता- बिहार
8. दीपांजलि- पश्चिम बंगाल
9. हर्षिनी- आंध्र प्रदेश
10. नताशा सिंह- उत्तराखण्ड

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

यूनिसेफ ने की स्वास्थ्य और स्व च्छीता अभियानों की तारीफ

मोदी सरकार ने स्वाास्थ्य् और स्व च्छीता जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यानि दिया है। **केंद्र सरकार की ओर से पिछले दिनों आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की गई,** जिससे करोड़ों लोगों को लाभ पहुंच रहा है। वहीं **स्व्च्छ भारत अभियान से भी स्वभच्छीता के क्षेत्र में काफी सकारात्मोक प्रभाव देखने को मिले हैं।** मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं की अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हो रही है। **यूनिसेफ ने मोदी सरकार की स्वा स्व् और स्व च्छीता से जुड़ी योजनाओं के लिए तारीफ की है।**

क्या है

1. यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक हेनरीएटा फोर ने **स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे मुद्दों में राजनीतिक समय और प्रयासोंश का निवेश करने के लिए पीएम मोदी की प्रशंसा की है।**
2. उन्होंने कहा कि लोग उन चीजों की ओर तब देखना शुरू करते हैं, जिन्हें सुधारने की आवश्यकता होती है, जब उन्हें लगता है कि उनका समुदाय बेहतर कर रहा है। उन्होंतने कहा, श्यदि आप स्वच्छता समाधानों के लिए एक डॉलर का निवेश करते हैं, तो स्वास्थ्य लागत की रोकथाम के मामले में लाभ चार डॉलर होगा। डॉक्टरों के पास लोग कम जाएंगे, दवाइयों पर खर्चा कम होगा।श
3. **हेनरीएटा यूनिसेफ और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए यहां आयी थीं।** पीएम मोदी की महत्वामकांक्षी योजना श्स्वयच्छए भारत अभियानश की सराहना करते हुए उन्होंकने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक समय और प्रयास का निवेश स्व च्छकता जैसे मुद्दों में किया। उन्होंमने स्वनच्छी भारत अभियान महात्माा गांधी को समर्पित किया, देशवासियों का समर्पित किया और उन्हें इसमें गर्व महसूस हुआ।
4. **2014 में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई प्रमुख स्वच्छता अभियान का उद्देश्य भारत के शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों की सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करना है।**
5. गौरतलब है कि **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की ओर से सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार श्चैंपियंस ऑफ द अर्थ दिया गया।** दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटारेस यह सम्मान दिया।

इकॉनोमिक्स के नोबल प्राइज की घोषणा

इकॉनोमिक्स में इस साल के नोबल प्राइज की घोषणा हो गई है। **इस साल का नोबल प्राइज विलियम डी नॉर्डहौस (William D Nordhaus) और पॉल एम रोमर (Paul M Romer) को दिया जाएगा।** विलियम को **अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव** और **रोमर को अर्थव्यवस्था पर तकनीकी इनोवेशन के प्रभाव को लेकर किए गए रिसर्च के लिए** यह पुरस्कार लिया जाएगा।

क्या है

1. दोनों वैज्ञानिकों के 90 लाख स्वीडिश क्रोनर (करीब 7.35 करोड़ रुपए) दिए जाएंगे।
2. **विलियम येल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।** उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन येल यूनिवर्सिटी से ही की है। उन्होंने अपनी पीएचडी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलजी (एमआईटी) से पूरी की।
3. पिछले साल इकॉनोमिक्स का नोबल पुरस्कार रिचर्ड एच थेलर को मिला था। उन्हें यह पुरस्कार बिहेवियरल इकॉनोमिक्स में उनके योगदान के लिए दिया गया था।

ईएसआईसी को आईएसएसए श्रेष्ठ कार्यप्रणाली पुरस्कार 2018

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में **एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में कवरेज विस्तार के प्रशासनिक समाधान के लिए आईएसएसए (अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन) श्रेष्ठ कार्यप्रणाली पुरस्कार** जीत लिया है। **यह पुरस्कार ईएसआईसी द्वारा कवरेज विस्तार ख्र**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

स्री (नियोक्ता और कर्मचारियों की पंजीकरण प्रोत्साहन योजना), नए क्रियान्वित क्षेत्रों में 24 महीनों के लिए अंशदान दर में कमी तथा ईएसआईसी अधिनियम के अंतर्गत कवरेज के लिए वेतन सीमा बढ़ाने जैसे उठाए गए कदमों को मान्यता देता है। ईएसआईसी के महानिदेशक श्री राज कुमार, आईएएस, ने राज्य कर्मचारी बीमा निगम का प्रतिनिधित्व किया और ईएसआईसी की ओर से मेरिट सर्टिफिकेट प्राप्त किया।

क्या है

1. **क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए त्रैवार्षिक मंच है।** यह क्षेत्र का महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा आयोजन है। **आईएसएसए एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के लिए आईएसएसए श्रेष्ठ कार्यप्रणाली पुरस्कार** का आवेदन आमंत्रित करता है।
2. फोरम आईएसएसए के सदस्य संस्थानों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों तथा प्रबंधकों को **प्रमुख सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने** और अपने अनुभवों को साझा करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।
3. **आईएसएसए (अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ) सामाजिक सुरक्षा संगठनों**, सरकारों तथा सामाजिक सुरक्षा विभागों के लिए प्रधान अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
4. **इसकी स्थापना 1927 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), जिनेवा के तत्वाधान में की गई थी।** इसका उद्देश्य पेशेवर दिशा-निर्देशों, विशेष ज्ञान तथा सेवाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में श्रेष्ठता को बढ़ावा देना और अपने सदस्यों को गतिशील सामाजिक सुरक्षा प्रणाली विकसित करने में सहायता देना है।
5. **ईएसआई कॉरपोरेशन, नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका के लिए आईएसएसए संपर्क कार्यालय की मेजबानी करता है।** संपर्क कार्यालय सामाजिक सुरक्षा से संबंधित आईएसएसए की गतिविधियों पर सदस्य देशों तथा **भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका तथा ईरान में सामाजिक सुरक्षा संस्थानों के साथ समन्वय का काम करता है।**

झारखंड की ओर बढ़ रहा है 'तितली'

बंगाल की खाड़ी में गहरा निम्न दबाव का क्षेत्र **'तितली' चक्रवाती तूफान बन गया।** इस तूफान के और तीव्र होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक आरएस शर्मा ने बताया कि **पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान के 11 अक्तूबर की दोपहर तक ओडिशा के गोपालपुर पहुंचने का अनुमान है।** ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तूफान का असर ज्यादा दिखेगा। तेज हवाएं चलेंगी और झमाझम बारिश होगी।

क्या है

1. **झारखंड में तितली तूफान का असर 11 अक्तूबर से दिखने के आसार हैं।** दक्षिण झारखंड में 11 और 12 अक्तूबर को तेज बारिश हो सकती है। शेष जगहों पर मध्यम और हल्के दर्जे की बारिश की संभावना है।
2. **पाकिस्तानी मौसम वैज्ञानिकों ने तितली चक्रवाती तूफान का नाम दिया है। लुबान चक्रवाती तूफान का नामकरण ओमान** और **दाए चक्रवाती तूफान का नामकरण म्यांमार** के मौसम वैज्ञानिकों ने रखा।
3. मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि मानसून के बाद सारी निगाहें तूफान और उसकी गति पर टिकी हैं। **तूफान के प्रभाव से कोल्हान में तापमान में गिरावट की संभावना है।** दिनभर बादल छाए रहने से सर्दी का अहसास होगा। नवरात्र के साथ शरद ऋतु परवान चढ़ेगा।

कुछ चर्चित तूफानों के नाम

1. 32 तूफानों की सूची में भारत द्वारा दिए गए चार नाम- लहर, मेघ, सागर और वायु हैं।
2. काफी चर्चा में रहे तूफान हेलेन का नाम बांग्लादेश ने, नानुक का म्यांमार ने, हुदहुद का ओमान ने, निलोफर और वरदा का पाकिस्तान ने, मेकुनु का मालदीव ने और हाल में बंगाल की खाड़ी से चले तूफान शतितलीश का नाम पाकिस्तान द्वारा दिया गया है।
3. आगामी तूफानों में गाजा, फेथाई, फानी, वायु, हिक्का, क्यार, माहा, बुलबुल, पवन और अम्फान हैं। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये सभी तूफान उत्तरी हिंद महासागर से संबंधित हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

पहली बार तय किया गया 'ई-फ्लो'

गंगा को प्रदूषण-मुक्त बनाने की **अब तक की सबसे बड़ी सरकारी योजना श्नमामि गंगेश अब और परवान चढ़ेगी।** केंद्र ने गंगा नदी का **न्यूनतम पर्यावरणीय प्रवाह (ई-फ्लो) निर्धारित कर दिया है।** इसका मतलब यह है कि **अब हर मौसम में गंगा नदी में पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा। गंगा देश की पहली नदी है जिसका श्ई-फ्लोश निर्धारित किया गया है।** इसके बाद **यमुना सहित गंगा की अन्य सहायक नदियों का भी ई-फ्लो तय किया जाएगा।** पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय ने **देव प्रयाग से हरिद्वार और हरिद्वार से उन्नाव तक गंगा नदी का ई-फ्लो निर्धारित करने की अधिसूचना जारी कर दी गई।**

क्या है

1. **ऊपरी गंगा नदी बेसिन में देवप्रयाग से लेकर हरिद्वार तक नवंबर से मार्च के दौरान औसत मासिक प्रवाह का कम से कम 20 प्रतिशत,** अक्टूबर से अप्रैल-मई के दौरान 25 प्रतिशत और जून से सितंबर तक 30 प्रतिशत प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा।
2. वहीं हरिद्वार से उन्नाव के बीच गंगा में पड़ने वाले **चार बैराज- भीमगौड़ा, बिजनौर, नरौरा और कानपुर के लिए अक्टूबर से मई और जून से सितंबर की अवधि के लिए अलग-अलग ई-फ्लो तय किया गया है।**
3. हरिद्वार के निकट स्थित भीमगौड़ा बैराज से आगे अक्टूबर से मई के दौरान **कम से कम 36 क्यूमेक (घनमीटर प्रति सेकेंड) और जून से सितंबर के दौरान 57 क्यूमेक जल गंगा नदी की धारा में बनाए रखना होगा।** इसी तरह बिजनौर, नरौरा और कानपुर में अक्टूबर से मई के दौरान कम से कम 24 क्यूमेक और जून से सितंबर के दौरान 48 क्यूमेक जल गंगा नदी में बनाए रखना होगा।
4. **ई-फ्लो तय करने की जरूरत इसलिए पड़ी है क्योंकि भीमगौड़ा, बिजनौर, नरौरा और कानपुर बैराज से बड़ी मात्रा में गंगा जल सिंचाई** और पेयजल परियोजनाओं के लिए निकाल लिया जाता है। इसके चलते डाउनस्ट्रीम जल उपलब्धता कम हो जाती है।
5. ई-फ्लो संबंधी मानकों का पालन मौजूदा सरकारी-गैर सरकारी, निर्माणाधीन और भविष्य में बनने वाली परियोजनाओं को करना होगा। इसके लिए उन्हें ऐसे उपकरण लगाने होंगे जिससे कि प्रवाह का सटीक आकलन हो सके। इसकी सूचना उन्हें केंद्रीय जल आयोग को भेजनी होगी।
6. हालांकि जो मौजूदा परियोजनाएं **फिलहाल ई-फ्लो मानकों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें तीन साल का समय दिया जाएगा।** लघु और सूक्ष्म परियोजनाओं इन मानकों के पालन से से छूट दी गयी है। नदी में ई-फ्लो के मानकों के अनुरूप जल प्रवाहित किया जा रहा है या नहीं इसकी हर घंटे निगरानी की जाएगी।
7. केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ई-फ्लो की अधिसूचना जारी होना महत्वपूर्ण कदम है। उनका मंत्रालय जल्द ही गंगा के लिए कानून बनाने को एक विधेयक का मसौदा कैबिनेट के पास ले जाएगा। फिलहाल इस मसौदे पर विभिन्न मंत्रालयों ने राय दे दी है।
8. राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि **गंगा नदी में विशेष मांग को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार अतिरिक्त जल को जारी करने का निर्देश दे सकेगी।**
9. गंगा के अविरल प्रवाह के लिए जारी अधिसूचना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यह बहुत ही सकारात्मक कदम है। उन्होंने गंगा नदी के लिए कानून बनाने की दिशा में सरकार के कदम का भी स्वागत किया।
10. गंगा नदी पर आइआइटी कंसोर्टियम के प्रमुख और आइआइटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे ने सरकार के कदम का स्वागत करते हुए कहा कि नदियों का ई-फ्लो तय करने का विचार भारत में अभी नया है। अब दूसरी नदियों के लिए भी यह तय किया जाएगा।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

ऑपरेशन पवन

11 अक्टूबर का दिन खास है। खास तौर पर भारतीय सेना के लिए यह दिन बहुत खास है। यही वो दिन है **जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन पवन चलाया था।** यह ऑपरेशन न तो पाकिस्तान के खिलाफ था, न चीन के खिलाफ और न ही यह नगा विद्रोहियों या नक्सलियों के खिलाफ था। **भारतीय सेना ने यह ऑपरेशन था श्रीलंका में साल 1987 में चलाया था।** दरअसल **11 अक्टूबर, 1987 को भारतीय शांति सेना ने श्रीलंका में जाफना को लिट्टे के कब्जे से मुक्त कराने के लिए ऑपरेशन पवन शुरू किया था।** इसकी पृष्ठभूमि में **भारत और श्रीलंका के बीच 29 जुलाई 1987 को हुआ वह शांति समझौता था,** जिसमें भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जे.आर. जयवद्धने ने हस्ताक्षर किया था।

क्या है

1. समझौते के अनुसार, **श्रीलंका में जारी गृहयुद्ध को खत्म करना था,** इसके लिए श्रीलंका सरकार तमिल बहुत क्षेत्रों से सेना को बैरकों में बुलाने और नागरिक सत्ता को बहाल करने पर राजी हो गई थी।
2. वहीं, **दूसरी ओर तमिल विद्रोहियों के आत्मसमर्पण की बात हुई**, लेकिन इस समझौते की बैठक में तमिल व्रिदोहियों को शामिल नहीं किया गया था।
3. **श्रीलंका में शांति भंग की समस्या की जड़ में वहां के निवासी सिंघली तथा तमिलों के बीच का द्वंद्व था।** तमिल लोग वहां पर अल्पसंख्यकों के रूप में बसे हैं।
4. आंकड़े बताते हैं कि **श्रीलंका की कुल आबादी का केवल 18 फीसद हिस्सा ही तमिल** हैं और श्रीलंका की सिंघली बहुल सरकार की ओर से तमिलों के हितों की अनदेखी होती रही है। इससे तमिलों में असंतोष की भावना इतनी भरती गई कि उसने विद्रोह का रूप ले लिया और वह स्वतंत्र राज्य तमिल ईलम की मांग के साथ उग्र हो गए।
5. श्रीलंका सरकार ने तमिल ईलम की इस मांग को न सिर्फ नजरअंदाज किया, बल्कि **तमिलों के असंतोष को सेना के दम पर दबाने का प्रयास करने लगी।**
6. इस दमन चक्र का परिणाम यह हुआ कि श्रीलंका से तमिल नागरिक बतौर शरणार्थी भारत के तमिलनाडु में भागकर आने लगे। यह स्थिति भारत के लिए अनुकूल नहीं थी।
7. इसीलिए श्रीलंका के साथ हुए समझौते में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स का श्रीलंका जाना तय हुआ, जहां वह तमिल उग्रवादियों का सामना करते हुए वहां शांति बनाने का काम करें, ताकि श्रीलंका से भारत की ओर शरणार्थियों का आना रुक जाए।
8. **भारतीय शांति सेना ने सभी उग्रवादियों से हथियार डालने का दबाव बनाया,** जिसमें वह काफी हद तक सफल भी हुई, लेकिन तमिल ईलम का उग्रवादी संगठन लिट्टे यानी लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम ने धोखा किया।
9. उसने पूरी तरह से हथियार न डालकर अपनी नीति बदल ली और उन्होंने आत्मघाती दस्तों का गठन करके गोरिल्ला युद्ध की कला को अपना लिया। ऐसी स्थिति में भारत की शांति सेना की भूमिका बदल गई। खुद को टाइगर्स के हमले से बचने के लिए उन्हें भी सतर्क योद्धा का तरीका अपनाना पड़ा और वहां युद्ध जैसी स्थिति आने से बच नहीं पाई।
10. **फिर 11 अक्टूबर, 1987 को जाफना से तमिल उग्रवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन पवन शुरू किया।** लगभग दो सप्ताह के संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने जाफना और अन्य प्रमुख शहरों से लिट्टे के प्रभाव को खत्म कर दिया। हालांकि, नवबंर 1987 तक अन्य ऑपरेशन्स चलते रहे।

उम्मीदों पर कितना खरा उतरा RTI

13 साल पहले आज ही के दिन (12 अक्टूबर 2018) लोगों को सशक्त करने वाला सबसे महत्वपूर्ण सूचना का अधिकार कानून, 2005 लागू हुआ। देश के इतिहास में **इस कानून ने कई अहम घोटालों को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई।** लोगों को मनवांछित सूचना तय समय में पाने के काबिल बनाया। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया ने इस कानून को लेकर आरटीआइ के माध्यम से अहम जानकारियां जुटाई हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. **हाल ही में इंटरनेशनल राइट टू नो डे (28 सितंबर, 2018) को सूचना के अधिकार कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने वाले 123 देशों की सूची जारी हुई।**
2. **128 अंकों के साथ इसमें भारत को छठा स्थान मिला।** शीर्ष स्थान न मिल पाना ही बताता है कि दुनिया के अन्य देशों में इस कानून को कितने प्रभावी तरीके से लागू किया गया है।

दूसरी अपील और शिकायतें

1. 2005-16 के दौरान कुल 18,47,374 दूसरी अपील और शिकायतों का निपटारा किया गया।
2. अव्वल: तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, राजस्थान
3. **फिसड्डी: सिक्किम, नगालैंड, मिजोरम**

कुल आरटीआइ आवेदन

1. 2005-16 के दौरान 2.525 करोड़ आरटीआइ आवेदन आए **अव्वल: महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और राजस्थान**
2. **फिसड्डी: मेघालय, सिक्किम, मणिपुर**
3. लोगों की आसानी के लिए 29 में से केवल 8 राज्य ही अपनी वेबसाइट में स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं
4. **29 में से 11 राज्यों में ऑनलाइन अपील की सुविधा**
5. 29 में से 14 राज्य मामलों की स्थिति अपडेट करते हैं जबकि 8 मामले के निपटारे और लंबित की सूचना देते हैं
6. **केवल हरियाणा और मणिपुर ही अपने सूचना आयुक्तों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करते हैं**

राज्य सूचना आयोगों की सालाना रिपोर्ट

1. **छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य रहा जिसके राज्य सूचना आयोग ने अपनी वेबसाइट पर नियमित रूप से 2005-17 तक सालाना रिपोर्ट प्रकाशित की।**
2. 2016-17 के लिए 29 में से केवल 10 राज्यों ने सालाना रिपोर्ट अपडेट की जुर्माना वाले मामले
3. राज्य सूचना आयोगों द्वारा जुर्माने वाले 11356 मामलों को निपटाया
4. केंद्रीय सूचना आयोग ने 2005-16 के दौरान कुल एक करोड़, 93 लाख, 24 हजार पचहत्तर रुपये का जुर्माना लगाया।
5. जुर्माने की रकम में अव्वल राज्य: कर्नाटक, हरियाणा, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात
6. जुर्माने के मामले में अव्वल राज्य: राजस्थान, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक

रिक्त पद

1. **29 में से केवल 12 राज्यों के पास मुख्य चुनाव आयुक्तों और सूचना आयुक्तों के पद पूरी तरह भरे हैं**
2. **केंद्र और राज्य स्तर पर 156 में से 48 (30.8 फीसद) सूचना आयुक्तों के पद रिक्त हैं**
3. **आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और नगालैंड** में कोई मुख्य सूचना आयुक्त नहीं है।

सिक्किम ने संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार जीता

भारत के पहले पूर्ण जैविक राज्य सिक्किम ने 12 अक्टूबर 2018 को **संयुक्त राष्ट्र समर्थित फ्यूचर पॉलिसी अवार्ड जीता।** पुरस्कार आयोजकों के मुताबिक, **राज्य की नीतियों से जहां 66,000 किसानों को फायदा हुआ है।** वहीं पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही अन्य देशों के लिए उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों को खत्म करने के साथ ही उनके स्थान पर स्थायी विकल्पों को प्रतिस्थापित करने पर **सिक्किम को 2016 में देश का पहला जैविक राज्य घोषित किया गया था।**

क्या है

1. पुरस्कार का सह आयोजन करने वाली संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की उपमहानिदेशक मारिया हेलेना सेमेडो ने कहा कि **यह पुरस्कार भूख, गरीबी और पर्यावरणीय गिरावट के खिलाफ राजनीतिक नेताओं द्वारा बनाई गई असाधारण नीतियों का सम्मान है।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

2. उन्होंने कहा कि सिक्किम के अनुभव से पता चलता है कि 100 फीसद जैविक खेती एक सपना नहीं है बल्कि वास्तविकता है।
3. **दूसरा पुरस्कार तीन देशों में विभाजित किया गया है।** स्कूल के भोजन के लिए खाद्य पदार्थों की खरीद संबंधी नीति तैयार करने के लिए जहां ब्राजील को सम्मानित किया गया है, **वहीं अधिक जैविक खाद्य पदार्थों की खरीद संबंधी नीति बनाने पर डेनमार्क को सम्मान मिला है।**
4. साथ ही शहरी बागवानी को बढ़ावा देने के लिए **एक्वाडोर की राजधानी क्विटो को भी सम्मानित किया गया है।**
5. इससे पहले यह पुरस्कार मरुस्थलीकरण, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ ूहसा, परमाणु हथियारों और महासागरों के प्रदूषण के खिलाफ बनाई गई नीतियों को दिया गया था। इस साल यह पुरस्कार कृषि विज्ञान के लिए रखा गया था।

अन्नपूर्णा देवी का निधन

दिग्गज हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार अन्नपूर्णा देवी का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। **अन्नपूर्णा देवी का जन्म 23 अप्रैल 1927 को हुआ था।** उनका असली नाम **रोशनआरा खान** था। उनका जन्म मध्य प्रदेश के मैहर शहर में उस्ताद श्बाबाश अलाउद्दीन खान और मदीना बेगम के घर में हुआ था। चार भाई-बहनों में वे सबसे छोटी थीं।

क्या है

1. **जाने-माने सरोद वादक उस्ताद अली अकबर खान उनके भाई थे।** उनके पिता अलाउद्दीन खां महाराजा बृजनाथ सिंह के दरबारी संगीतकार थे। उन्होंने जब बेटी के जन्म के बारे में दरबार में बताया तो महाराजा ने नवजात बच्ची का नाम अन्नपूर्णा रख दिया।
2. **पांच साल की छोटी उम्र से ही उन्होंने संगीत की शिक्षा आरंभ की** और और वह सितार से लेकर सुरबहार तक में पारंगत हो गई। मशहूर बांसुरी वादक **पंडित हरिप्रसाद चौरसिया अन्नपूर्णा देवी के प्रमुख शिष्यों में शामिल थे।**
3. **उनका विवाह जाने-माने सितार वादक पंडित रविशंकर से हुआ था।** इस विवाह के लिए अन्नपूर्णा देवी ने 1941 में हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया। इस विवाह से उनका एक बेटा शुभेन्द्र श्शुभोश शंकर था, जिनका 1992 में निधन हो गया था।
4. 21 साल बाद पंडित रविशंकर से शादी टूटने के बाद अन्नपूर्णा देवी मुंबई चली गईं। 1982 में उन्होंने अपने शिष्य रूशिकुमार पंड्या से शादी कर ली। वर्ष 2013 में पंड्या का निधन हो गया। **1977 में उनको पद्मभूषण सम्मान दिया गया था।**

इलाहाबाद फिर प्रयागराज कहलाएगा

इलाहाबाद का नाम 444 साल बाद फिर से प्रयागराज होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी घोषणा कर दी है। उनके मुताबिक राज्यपाल ने भी इस पर अपनी सहमति दी है। घोषणा से संत समाज उत्साहित है। **दरअसल पुराणों में इसका नाम प्रयागराज ही था।** अकबर के शासनकाल में इसे इलाहाबाद कर दिया गया था। पौराणिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए **वर्षों से इलाहाबाद का नाम प्रयागराज करने की मांग उठती आ रही थी।** मगर किभी इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। जब मार्च 2017 को योगी सरकार उत्तर प्रदेश में आई तो उन्होंने यह वादा भी किया कि वे इलाहाबाद प्रयागराज कर देंगे। इसके बाद कई संतों ने उन्हें उनके वादे को याद दियाला। इलाहाबाद

ऐसे बदलता है शहर का नाम

1. किसी शहर के स्थानीय लोग या जनप्रतिनिधि नाम बदलने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे
2. राज्य मंत्रिमंडल प्रस्ताव पर विचार करती है और मंजूरी देने के बाद राज्यपाल की सहमति को भेजती है
3. राज्यपाल प्रस्ताव पर अनुंशसा देने के साथ अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय गृहमंत्रालय को भेजता है
4. गृहमंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद राज्य सरकार नाम बदलने की अधिसूचना जारी करती है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

में मुख्यमंत्री ने इस घोषणा को अमली जामा पहनाने की शुरुआत कर दी।

क्या है

1. **पौराणिक महत्व: रामचरित मानस में इसे प्रयागराज ही कहा गया है**। इलाहाबाद संगम के जल से प्राचीन काल में राजाओं का अभिषेक होता था। इस बात का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में है। वन जाते समय श्रीराम प्रयाग में भारद्वाज ऋषि के आश्रम पर होते हुए गए थे। भगवान श्रीराम जब श्रृंग्वेरपुर पहुंचे तो वहां प्रयागराज का ही जिक्र आया।
2. सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक पुराण **मत्स्य पुराण के 102 अध्याय से लेकर 107 अध्याय तक में इस तीर्थ के महात्म्य का वर्णन है।** उसमें लिखा है कि प्रयाग प्रजापति का क्षेत्र है जहां गंगा और यमुना बहती हैं।
3. **अकबरनामा और आईने अकबरी व अन्य मुगलकालीन ऐतिहासिक पुस्तकों से ज्ञात होता है** कि अकबर ने सन 1574 के आसपास प्रयागराज में किले की नींव रखी। उसने यहां नया नगर बसाया जिसका नाम उसने इलाहाबाद रखा। उसके पहले तक इसे प्रयागराज के ही नाम से जाना जाता था।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सिल्क मेला-2018

केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी 16 अक्तूबर, 2018 को **नई दिल्ली में छठे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सिल्क मेला (आईआईएसएफ) का उद्घाटन करेंगी।** केन्द्रीय वस्त्र राज्यमंत्री श्री अजय टम्टा भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। **भारत दुनिया में रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।** रेशम उद्योग कृषि आधारित और श्रमजन्य उद्योग है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 80 लाख कारीगरों और बुनकरों को लाभदायक रोजगार उपलब्ध कराता है।

क्या है

1. **देश के विभिन्न हिस्सों में निर्मित रेशम और मिश्रित रेशम उत्पादों के 108 से भी अधिक प्रदर्शक भारतीय सिल्क निर्यात संवर्द्धन परिषद (आईएसईपीसी)** द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित इस तीन दिवसीय मेले के दौरान अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।
2. **इस मेले में विभिन्न देशों के 218 से भी अधिक खरीदार भाग लेंगे।** जम्मू- कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगर अपने क्षेत्रों के विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, जो इस मेले में खरीदारों के लिए एक अतिरिक्त आकर्षण होगा।
3. यह मेला निर्यातकों के लिए अपने-अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने और विदेशी खरीदारों के लिए खरीदारी के आदेश देने वाला मंच होगा।
4. **इस आईआईएसएफ-2018 से सिल्क उत्पादन और मिश्रित सिल्क वस्त्रों, कपड़ों, सहायक वस्तुओं और फ्लोर कवरिंग में लगे लघु और मध्यम उद्यमों के लिए 20 मिलियन अमरीकी डॉलर** से भी अधिक का व्यापार सृजित होने की उम्मीद है।
5. **केन्द्रीय सिल्क बोर्ड भारतीय सिल्क उद्योग के भविष्य के विजन को प्रदर्शित करने वाले एक 'थीम पवेलियन' को स्थापित कर रहा है।** यह मेला खरीदारों और विक्रेताओं तथा आमंत्रित आगंतुकों के लिए ही खुला है।

सेना में बड़े सुधार की योजना को मंजूरी

सेना के शीर्ष कमांडरों ने 13 लाख जवानों की सेना में बड़े सुधार की एक व्यापक योजना को मंजूरी दी है। इन सुधारों में **ऑफिसर कैडर का पुनर्गठन, प्रमुख कमांडों में उम्र सीमा में कमी, बढ़ते राजस्व खर्चों पर नियंत्रण और सेना के आकार को सही करना शामिल है।** काफी समय से लंबित इन सुधारों पर आगे बढ़ने और सेना को सामरिक रूप से बहुमुखी बनाने का यह फैसला सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में लिया गया।

क्या है

1. **थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की अध्यक्षता में एक सप्ताह की यह कॉन्फ्रेंस नौ अक्टूबर को आरंभ हुई थी**। इसमें प्रमुख नीतिगत योजनाओं और सामरिक मामलों पर विचार-विमर्श किया जाता है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**

2. **सुधार के उपायों को तात्कालिक आधार पर चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।** कमांडरों ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि अगर जरूरी हो तो विभिन्न उपायों का बिल्कुल नए सिरे से मूल्यांकन किया जाए।
3. **सामरिक और आंतरिक प्रशासन के अलावा कॉन्फ्रेंस में देश के सामने विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया गया।** इसमें चीन और पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियों का मुद्दा शामिल है।
4. सेना मुख्यालय ने सेना की सामरिक क्षमता और कार्यकुशलता में वृद्धि, बजटीय खर्चों के अधिकतम उपयोग, आधुनिकीकरण और आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से चार अध्ययन कराए थे।
5. सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना का भाषा कौशल बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं की विशेषज्ञता बढ़ाने की जरूरत और उसकी पद्धति पहले से स्पष्ट है।

सैन्य मुख्यालय की ओर से कराए गए चार अध्ययन

1. भारतीय सेना का पुनर्गठन और उसे सही आकार देना।
2. एकीकरण और अनावश्यक को खत्म करने के उद्देश्य से सैन्य मुख्यालय का पुनर्गठन।
3. अधिकारियों के कैडर की समीक्षा।
4. रैंक और फाइल की सेवा शर्तों की समीक्षा

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941 (**BENGALURU)** 7619166663, **www.ksgindia.com**